RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 228 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, रविवार 5 जून 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

अवंती बाई चौक में हादसा, हाइवा की चपेट में आया साइकिल सवार, मौके पर मौत

भिलाई। अंवति बाई चौक कोहका में रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां पर निगम की हाइवा की चपेट में आने से साइकिल सवार की मौत हो गई। निगम की कचरा उठाने वाली हाइवा की ठोकर से पहले साइकिल सवार नीचे गिरा और उसके बाद उसका सिर चक्के के नीचे आ गया। बुरी तरह कुचले जाने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद हाइवा चालक वहां से भाग गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची स्मृति नगर पुलिस ने पहले शव को पीएम के लिए भेजा और हाइवा को जब्त कर लिया है।

हादसा इतना भयावह था कि मौके पर ही युवक की मौत हो गई। युवक जब टर्निंग ले रहा था तब हाइवा चालक उसे देख नहीं पाया और उसे ठोकर मार दी। घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक मछली विक्रेता है और सुबह मछली बेचने के लिए ही जा रहा था।

हादसे के बाद फूटा लोगों का गुस्सा

हादसे के बाद मौके पर जमा लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। जब पुलिस पहुंची तो लोगों ने पुलिस को घेर लिया और यहां पर यातायात विभाग के कर्मचारी की ड्यूटी लगाने की मांग की। लोगों का कहना है कि व्यस्त चौराहा होने के कारण यहां हमेशा वाहनों की जमघट लगी रहती है। आसपास कॉलेज जाने वाले छात्रों की भीड़ व कोहका, कुरुद, सुपेला व जुनवानी की ओर जाने वाले इसी रास्ते का प्रयोग करते हैं। लंबे समय से यहां यातायात पुलिस की तैनाती की मांग की जा रही है लेकिन पुलिस विभाग ध्यान नहीं दे रहा है। लोगों का आरोप है कि आज का हादसा भी पुलिस प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है। यहां यदि ट्रैफिक कंट्रोल करने के लिए जवान होता तो संभवत: यह हादसा टल जाता है। बहरहाल हादसे के बाद स्मृति नगर चौकी प्रभारी युवराज देशमुख का कहना है हादसे की सूचना मिली है। मृतक का शव पीएम के लिए भेजा गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस : मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को पर्यावरण दिवस की दी शुभकामनाएं...

अस्तित्व बचाना है तो पर्यावरण संरक्षण के लिए संजीदगी से सोचें: सीएम बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि हर साल हम 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाते हैं। यह दिन मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य को और अधिक गहरा करने के लिए प्रेरित करता है। निरंतर प्रकृति के बेतरतीब दोहन ने पर्यावरण के साथ-साथ जीवन के लिए भी संकट पैदा कर दिया है। अब समय है कि अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए हम संजीदगी से पर्यावरण को बचाने की दिशा में सोचें और काम करें, अन्यथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा मिलना भी दुष्कर हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'पृथ्वी अनमोल है' तथा स्लोगन 'प्रकृति संग संतुलन बनायें' है। इसका मकसद जीवनशैली और औद्योगिक तथा व्यावसायिक गतिविधियों का प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन का एक सकारात्मक पक्ष पर्यावरण प्रदूषण में गिरावट के रूप में हमने देखा है। अब जरूरत है कि हम आत्म आंकलन करें और पर्यावरण अनुकूल वातावरण बनाने में सहयोग दें।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि यह गर्व और खुशी की बात है कि पिछले तीन वर्षों से लगातार छत्तीसगढ़ ने देश के स्वच्छतम राज्य के रूप में पहले पायदान पर अपनी जगह बनाई है। हरित छत्तीसगढ़ का गठन करने वाला यह देश का पहला राज्य है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर छत्तीसगढ़ बेहद जागरूक और गंभीर है। राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कई कदम उठायें हैं। जंगलों को बचाए रखने के लिए लगातार वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना में वृक्षारोपण को शामिल कर किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। नदियों के किनारे, जंगलों, गौठानों में बड़े स्तर पर पेड़ लगाए जा रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में वृक्षारोपण को जन अभियान बनाने के लिए कृष्ण-कुंज विकासित करने की पहल की गई है। वनांचल में वनवासियों की जरूरत के मुताबिक पौध रोपण कराने का निर्णय लिया गया है। वनाधिकार पट्टे, फलदार वृक्ष, और लघु वनोपजों के संग्रहण को प्राथमिकता दी जा रही है जिससे जंगल सुरक्षित रहें।

सीएम बघेल ने कहा है कि धरती की उर्वरता और भूजल स्तर को बचाए रखने के लिए सुराजी गांव योजना संचालित की जा रही है। गोधन न्याय योजना के माध्यम से गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट बनाकर जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे रासायनिक खेती की जगह जैविक खेती को बड़े स्तर में लोग अपनाने लगे हैं। जैविक खेती से पौष्टिक आहार लोगों को मिलने लगा है और मिट्टी की गुणवत्ता भी संरक्षित हो रही है। माटी के संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए इस साल अक्ती-तिहार से माटी पूजन तिहार भी शुरू किया गया है।

पर्यावरण बचाने लोगों को जागरूक करना जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक जल स्रोतों और नालों के संरक्षण के लिए नरवा संरक्षण का काम किया जा रहा है, जिससे भू-जल स्तर में वृद्धि हुई है। अरपा और इंद्रावती जैसी नदियों को बचाए रखने के लिए अरपा विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है। शहरों में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जा रहे हैं ताकि प्रदूषित पानी शुद्ध होकर नदियों तक पहुंचे। उद्योगों पर निगरानी के लिए ऑनलाईन व्यवस्था बनाई गई है। राज्य में अब पराली नहीं जलाई जाती बल्कि चारे के रूप में उसका उपयोग किया जाता है। ठोस अपशिष्टों को खुले में जलाना प्रतिबंधित किया गया है। जैव विविधता के संरक्षण के लिए जैव विविधता बौर्ड का गठन कर अनेक नवाचार किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें वृक्षों को कटने से बचाने के साथ-साथ अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिए लोगों को जागरूक करना चाहिए। जिससे हम प्रदूषण रहित स्वस्थ छत्तीसगढ़ और स्वस्थ भारत के निर्माण में योगदान दे सकें। हमारा पर्यावरण हम खुद हैं। खुद को बचाए रखने के लिए पर्यावरण को बचाए रखना जरूरी है।

पर्यावरण मंत्री अकबर ने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी

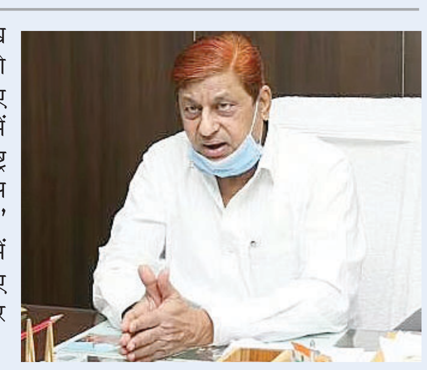

वन तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर ने 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि प्रतिवर्ष 5 जून को पर्यावरण दिवस के अवसर पर समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाए जाने के उद्देश्य से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाती है। प्रतिवर्ष संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा पर्यावरण दिवस की थीम निर्धारित की जाती है। इस वर्ष की थीम ''पृथ्वी अनमोल है'' तथा स्लोगन ''प्रकृति संग संतुलन बनायें'' पर केन्द्रित है। उन्होंने कहा है कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए हमें प्राकृतिक संपदाओं का आवश्यकतानुसार और विवेकपूर्ण उपयोग करते हुए यह सुनिश्चित करना है कि हम प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखकर ही चिर स्थायी विकास कर सकते हैं। आइये अपनी प्रकृति की रक्षा करें।

स्मृति ईरानी ने दागा सवाल, पूछा- कांग्रेस शासित राज्य क्यों नहीं घटा रहे पेट्रोल-डीजल के दाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हाल ही में पेट्रोल डीजल की कीमतों में कमी करके केंद्र सरकार ने आम आदमी को राहत दी है। वहीं कुछ राज्यों ने अपने यहां तेल के दाम घटाए हैं लेकिन कुछ राज्यों ने अभी तक कोई राहत नहीं दी है। इस पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को सवाल किया कि केंद्र सरकार द्वारा पिछले महीने उपभोक्ताओं को राहत देने के बाद कांग्रेस शासित राज्य ईंधन की कीमतों में कमी क्यों नहीं कर रहे हैं।

गांधी परिवार पर भी निशाना साधा

दरअसल, स्मृति ईरानी छत्तीसगढ़ के भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रही थीं इस दौरान उन्होंने गांधी परिवार पर भी निशाना साधा और कहा कि अमेठी के विकास के लिए गांधी परिवार ने कुछ नहीं किया, भले ही यह क्षेत्र लंबे समय तक पारिवारिक गढ़ रहा हो। बता दें कि उत्तर प्रदेश के अमेठी से राहुल गांधी कई बार सांसद बने थे, लेकिन 2019 के आम चुनावों में ईरानी ने गांधी को पटखनी दी थी।

अमेठी में नहीं था पासपोर्ट कार्यालय

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि 50 वर्षों से अमेठी में एक ही परिवार का स्वामित्व था, जिसके परिणामस्वरूप वहां के 80 प्रतिशत घरों में 2014 से पहले बिजली कनेक्शन या शौचालय नहीं था। यहां तक कि एक कलेक्टर कार्यालय भी नहीं था। आगे उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने विदेशों का दौरा किया लेकिन अमेठी में पहला पासपोर्ट कार्यालय पीएम मोदी और तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज द्वारा स्थापित किया गया था।

मोदी सरकार की तारीफ की

उन्होंने केंद्र सरकार की तारीफकरते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में नौ रुपये और सात रुपये की कमी की और लोगों को राहत सुनिश्चित करने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का बोझ उठाया।

साथ ही कहा कि उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 200 रुपये की छूट मिली। मुफ्त कोरोना टीके और राशन और इसी तरह के कई मानवीय कदम राष्ट्र के हित में उठाए गए। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस शासित राज्य तेल की कीमतें क्यों नहीं घटा रहे हैं।

मनरेगा के 12 हजार से अधिक संविदा कर्मचारियों ने दिया सामूहिक रूप से इस्तीफा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मनरेगा योजना के 12 हजार से अधिक संविदा कर्मचारियों ने शनिवार को सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया। ये कर्मचारी नियमित किए जाने समेत अन्य मांगों को लेकर पिछले दो महीने से हड़ताल कर रहे थे। कर्मचारियों ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा शुक्रवार को मनरेगा योजना से जुड़े 21 सहायक परियोजना अधिकारियों (एपीओ) की सेवा समाप्त करने के बाद यह कदम उठाया गया है।

छत्तीसगढ़ मनरेगा कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष टीकमचंद कौशिक ने कहा कि महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के कर्मचारी सेवा को नियमित करने और बेहतर वेतन सहित कई अन्य मांगों को लेकर अप्रैल महीने की शुरुआत से विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे।

कौशिक ने बताया, ''शुक्रवार शाम को राज्य सरकार ने अचानक 21 एपीओ की सेवा समाप्त कर दी। राज्य सरकार के इस निर्णय के खिलाफ और हमारी मांगों के समर्थन में नौ हजार रोजगार सहायक सहित 12,731 कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया।'

योजना के तहत तकनीकी सहायक के रूप में काम करने वाले कौशिक ने कहा, 'सत्ताधारी दल कांग्रेस ने वर्ष 2018 के चुनावी घोषणा पत्र में संविदा कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करने का वादा किया था, लेकिन इस दिशा में अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। हम सिर्फ अपने लिए नौकरी की सुरक्षा चाहते हैं क्योंकि हमने इस सेवा को अपने जीवन का एक बेहतर हिस्सा दिया है।'

पिछले माह राज्य के जनसंपर्क विभाग ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया था कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मनरेगा के रोजगार सहायकों का मानदेय पांच हजार रुपये से बढ़ाकर 9,540 रुपये करने की घोषणा की है। विज्ञप्ति के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने रोजगार सहायकों की सेवा शर्तों से संबंधित मांगों पर कहा था कि इस संबंध में राज्य स्तर पर गठित समिति से प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद निर्णय लिया जाएगा।

सीएम बघेल ने लोगों को दी बिजली बचाने की सलाह भाजपा ने पूछा- क्या अपने घर में पावर कट किया?

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सीएम भूपेश बघेल ने सरगुजा संभाग में हसदेव-अरंद वन में कोयला खनन के खिलाफ चल रहे विरोध की निंदा की। उन्होंने शनिवार को ताप विद्युत संयंत्रों के लिए कोयले की आवश्यकता को रेखांकित किया और कहा कि जो लोग कोयला खनन का विरोध कर रहे हैं, उन्हें पहले अपने घरों में बिजली को बंद कर देना चाहिए।

सीएम बघेल ने दिया ये जवाब

सरगुजा में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को आवंटित दो कोयला खदानों में खनन की अनुमति के खिलाफ कार्यकर्ताओं और ग्रामीण लगातार विरोध कर रहे हैं। इस विरोध को लेकर पूछे गए सवाल पर सीएम बघेल ने कहा कि राजस्थान सरकार को आवंटित खदान चालू है, फिर एक चालू खदान को कैसे बंद किया जा सकता है? जो लोग विरोध कर रहे हैं उन्हें पहले अपने घरों में बिजली बंद कर देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि देश में कितनी जलविद्युत परियोजनाएं हैं? हवाओं के माध्यम से भी बिजली उत्पादन सीमित है। हमारे पास विकल्प के रूप में सौर ऊर्जा है लेकिन इसकी भी सीमाएं हैं। जिस दिन बिजली उत्पादन की कोई वैकल्पिक व्यवस्था होगी, उस दिन ताप विद्युत संयंत्रों पर निर्भरता कम हो जाएगी, लेकिन वर्तमान में हम उन ताप संयंत्रों पर निर्भर हैं जिनके लिए कोयले की जरूरत है।

पहले अपने घरों की बंद करें बिजली

उन्होंने आगे कहा कि जो लोग खनन के खिलाफ लड़ रहे हैं, उन्हें पहले अपने घरों में एयर कंडीशनर, पंखे और कूलर का इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए, उसके बाद ही उनकी लड़ाई को वास्तविक रूप में देखा जाएगा। वे अपने परिवारों को एसी कमरों में रख रहे हैं और दूसरों को अंधेरे में रहने के लिए कह रहे हैं। मेरी सरकार ऐसा नहीं करेगी। वनों और आदिवासियों के हितों के साथ समझौता करना होगा, लेकिन लौह अयस्क कोयला, बॉक्साइट, डोलोमाइट जैसे प्राकृतिक संसाधनों का खनन करना होगा, जो पौधों को चलाने में मदद करते हैं।

भाजपा ने पूछा बड़ा सवाल

वहीं राज्य भाजपा प्रमुख विष्णु देव साई ने सीएम बघेल के बयान को हास्यास्पद बताया है। उन्होंने कहा कि 2018 विधानसभा चुनाव से पहले जब बघेल राज्य कांग्रेस अध्यक्ष थे, तो उन्होंने इस मुद्दे पर राजनीति की। तब वे इन खदानों के विरोध में थे। भाजपा नेता ने सवाल किया कि क्या उन्होंने और उनकी पार्टी के नेताओं ने तब अपने घरों में बिजली बंद कर दी थी।

स्थाई स्तंभ

विवाह का प्रमाण पत्र और लिव-इन-रिलेशन

दीपक रंजन दास

भारत में विवाह की तरह-तरह की रीतियां प्रचलन में हैं। इनपर गाहे-बगाहे अदालत की टिप्पणियां भी आती रहती हैं। हाल ही में एक टिप्पणी आई कि आर्य समाज को विवाह का प्रमाणपत्र जारी करने का कोई अधिकार नहीं है। अखबारों ने मोटे-मोटे अक्षरों में छाप दिया और तहलका मच गया। कुछ आदिवासी समुदाय में विवाह ऐच्छिक होता है। युवा जोड़े आपसी तथा परिवार की रजामंदी से साथ रह सकते हैं, बच्चे भी पैदा कर सकते हैं। कुछ समुदाय ऐसे भी हैं जहां बच्चे पैदा करने के बाद ही शादी करते हैं। कुछ समुदाय ऐसे भी हैं जहां जोड़े विवाह करने के लिए तब बाध्य हो जाते हैं जब उनके बच्चों की शादी होती है, वरना वो पूजा में नहीं बैठ सकते। दरअसल लोगों ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को ध्यान से नहीं पढ़ा। इसमें कहीं भी नहीं कहा गया है कि आर्य समाज में हुई शादियां अवैध हैं। अदालत ने सिर्फ यह कहा था कि आर्य समाज को शादी का सर्टिफिक्रेट देने का अधिकार नहीं है। शादी का सर्टिफिक्रेट वैसे भी केवल मैरिज रजिस्ट्रार ही दे सकता है। ठीक उसी तरह जैसे चार टुकड़ों में कटे आदमी के मृत होने का सर्टिफिक्रेट भी कोई रजिस्टर्ड डाक्टर ही दे सकता है। वैसे भी 90 फीसदी भारतीयों को अदालत-फोबिया है। वे कोर्ट कचहरी के नाम से ही डर जाते हैं। इसलिए समाज के सामने पंडित जी विवाह संस्कार सम्पन्न करा देते हैं तो वे उसी में खुश रहते हैं। कायदे से ऐसे विवाहों को भी अदालत में सिद्ध नहीं किया जा सकता है। विवाह का सर्टिफिक्रेट बनवाना होता है। इसके लिए जोड़े में फोटो, दोनों का आधारकार्ड, शादी का निमंत्रण पत्र और गवाहों को विवाह पंजीयक के कोर्ट में उपस्थित करना होता है। इसलिए जल्द से जल्द शादी का सर्टिफिक्रेट बनवाएं और टेंशन फ्री रहें।

संपादकीय

दो-राहे पर खड़ा नेपाल

मौजूदा शेर बहादुर देउबा सरकार ने इस धारणा को तोड़ने की कोशिश है। बल्कि अब राय यह बनी है कि नेपाल का झुकाव अमेरिका की तरफ हो गया है। जाहिर है, उससे चीन चिंतित है। नेपाल की पूर्व कम्युनिस्ट सरकारों का झुकाव चीन की तरफ था। तब ये धारणा बनी थी कि नेपाल चीन के खेमे में शामिल हो गया है। मौजूदा शेर बहादुर देउबा सरकार ने इस धारणा को तोड़ने की कोशिश है। बल्कि अब राय यह बनी है कि नेपाल का झुकाव अमेरिका की तरफ हो गया है। जाहिर है, उससे चीन चिंतित है। तो बीते हफ्ते खबर आई कि चीन ने नेपाल को सरकार साफ संदेश दिया है कि 'दूसरे आंतरिक या बहरी पहलुओं' के कारण उसकी वन चाइना नीति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। गौरतलब है कि हाल में कई अमेरिकी अधिकारियों की नेपाल यात्रा की। खास ध्यान पिछले दिनों अमेरिका की मानव अधिकार उप मंत्री उज़्रा ज़ेया की नेपाल यात्रा ने खींचा। उस दौरान जेया ने नेपाल में तिब्बती शरणार्थियों से भी मुलाकात की। इससे चीन में व्यग्रता पैदा होना लाजिमी है। तो अब उसने नेपाल को वन चाइना नीति की याद दिलाई है। इसका मतलब यह है कि नेपाल तिब्बत या ताइवान को चीन के अभिन्न अंग के रूप में देखता। चीन ने यह संदेश नेपाल-चीन द्विपक्षीय परामर्श समूह की 14वीं बैठक के दौरान दिया। नेपाली मीडिया के मुताबिक चीनी पक्ष ने उज़्रा ज़ेया की नेपाल में हुई मुलाकातों का सीधे जिक्र नहीं किया। लेकिन जो संदेश दिया, उसका मतलब स्पष्ट है।

> “ ओली आज भी देश के एक ताकतवर नेता हैँ। मुमकिन है कि इस साल होने वाले आम चुनाव के बाद नेपाल की सत्ता में उनकी फिर प्रमुख भूमिका बन जाए। उनके बयान के निहितार्थ साफ हैं। इसीलिए फिलहाल इस बारे में कुछ कहना कठिन है कि नेपाल दोराहे से आगे किस दिशा में कब तक आगे बढ़ेगा।

तो नेपाल आज एक दोराहे पर खड़ा है। यह स्थिति देश में मौजूद मतभेदों के कारण भी है। उज़्रा ज़ेया की गतिविधियों पर चीन की प्रतिक्रिया तो बाद में आई है। उसके पहले पूर्व प्रधानमंत्री और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के प्रमुख केपी शर्मा ओली इस पर एतराज जता चुके थे। उन्होंने आरोप लगाया है कि ज़ेया ने तिब्बती शरणार्थियों को उकसाने की कोशिश की। इस रूप में ज़ेया ने नेपाल की विदेश नीति के उसूलों और नियमों का उल्लंघन किया। ओली आज भी देश के एक ताकतवर नेता हैँ। मुमकिन है कि इस साल होने वाले आम चुनाव के बाद नेपाल की सत्ता में उनकी फिर प्रमुख भूमिका बन जाए। उनके बयान के निहितार्थ साफ हैं। इसीलिए फिलहाल इस बारे में कुछ कहना कठिन है कि नेपाल दोराहे से आगे किस दिशा में कब तक आगे बढ़ेगा।

टिकट नहीं मिली तो क्या चर्चा तो हुई

कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के करीबी लोगों को राज्यसभा का उम्मीदवार बना दिया। उसी में एकाध नेता ऐसे भी थे जो इन दोनों के अलावा पार्टी और पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी के प्रति निष्ठावान थे। सो, परिवार के प्रति निष्ठा रखने वाले राज्यसभा में मनोनीत हो गए। लेकिन इन दिनों सोशल मीडिया में उनसे ज्यादा चर्चा ऐसे लोगों की है, जो राज्यसभा की टिकट नहीं हासिल कर सके। यह कमाल की बात है। राज्यसभा की टिकट हासिल करने से वंचित रह गए कांग्रेस नेताओं से ज्यादा पत्रकारों, राजनीतिक विश्लेषकों और यहां तक कि कारोबारियों को भी ऐसे लोगों से सहानुभूति है, जो राज्यसभा की टिकट नहीं हासिल कर सके।

जैसे एक कारोबारी ने मुंबई के पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा से सहानुभूति जताई और कहा कि वे टिकट डिजर्व करते थे। उनके इस ट्विट पर कांग्रेस कवर करने वाले कई पत्रकारों ने सहमति जताई। ध्यान रहे पिछले लोकसभा चुनाव में एक बड़े उद्योगति ने मिलिंद देवड़ा के लिए वोट करने की अपील की थी। फिर भी वे हार गए थे। बहरहाल, इसी तरह की सहानुभूति कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा के लिए है। उनको खुद एक लाइन का ट्विट किया कि 'शायद मेरी ही तपस्या में कोई कमी रह गई'। इसे लेकर खूब बहस हुई है और पूरा सोशल मीडिया पवन खेड़ा के पक्ष-विपक्ष में बंटा हुआ है। सोशल मीडिया में चर्चा वाला तीसरा नाम प्रमोद कृष्णम का है। उनके प्रति सहानुभूति नहीं है लेकिन वे कांग्रेस को हिंदू विरोधी साबित करने में जुट गए हैं। बहरहाल, गुलाम नबी आजाद, आनंद शर्मा और कुमारी शैलजा को भी टिकट नहीं मिली लेकिन उनकी ज्यादा चर्चा नहीं हो रही है।

> “ झारखंड में भी जिस तरह छापेमारी हो रही है, उसने तमाम तरह की खबरों को जन्म दे दिया है। ऐसे विपक्ष से भाजपा विरोधी भी सार्थक उम्मीद पालने में नाकामयाब रहते हैं। यकीनन, इसीलिए अपनी हुकूमत के नौवें वर्ष में नरेंद्र मोदी को जैसा खुला मैदान मिल रहा है, वैसा अब तक नेहरू के अलावा किसी और को नहीं मिला। आप चाहें, तो इस तथ्य को भी उनके कीर्तिमानों की सूची में जोड़ सकते हैं।

नौवें वर्ष में निरापद मोदी

शशि शेखर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुसलसल हुकूमत का नौवां साल जहां उनके समर्थकों को जश्न मनाने का मौका दे रहा है, वहीं विपक्षी दल उनकी घेराबंदी के लिए कसमसा रहे हैं। क्या मोदी 2024 में लोकसभा चुनाव जीतकर जवाहरलाल नेहरू के कीर्तिमान की बराबरी करेंगे? या, विपक्ष उन्हें घेरने में कामयाब साबित होगा?

प्रधानमंत्री की जीत-हार को लेकर सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं, क्योंकि कार्यकाल के चौथे साल में ही चुनावी गुणा-भाग शुरू हो जाता है। इस साल के अंत तक चुनावी हलचल शुरू हो चुकी होगी, पर विपक्ष बुरी तरह बिखरा हुआ है। जिस कांग्रेस से सर्वाधिक उम्मीद की जा सकती थी, वह आए दिन टूट-फूट की शिकार हो रही है। नेहरू-गांधी परिवार 'ग्रैंड ओल्ड पार्टी' को बचाने और आगे बढ़ाने में चुनाव-दर-चुनाव नाकामयाब साबित हुआ है। 1984 से लेकर अब तक तीन चुनाव को छोड़कर कांग्रेस के 'वोट बैंक' में गिरावट का सिलसिला जारी है।

विपक्षी एकता की राह का सबसे बड़ा रोड़ा भी यही है।

ऐसा कहने की सबसे बड़ी वजह यह है कि पिछले चुनाव में कांग्रेस 191 सीटों पर भाजपा से सीधी लड़ाई में थी। 2019 में उसे लगभग 12 करोड़ वोट हासिल हुए थे, जो कुल मतदान का करीब 20 प्रतिशत था। कोई अन्य दल अकेले इतनी सीटों पर चुनौती देने की क्षमता नहीं रखता।

यही वह मुकाम है, जहां से विपक्षी एकता के विरोधाभास आकार लेने लगते हैं। पिछले दो वर्ष के दौरान हुए बिहार, बंगाल, उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर, पंजाब और उत्तराखंड के चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। बंगाल में वह एक भी सीट जीतने में नाकामयाब रही, तो उत्तर प्रदेश में उसके पास महज दो विधानसभा सीटें हैं। बिहार में लालू और तेजस्वी यादव की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनता दल का मानना है कि हम बिहार का चुनाव सिर्फइसलिए हार गए, क्योंकि हमने कांग्रेस को पुरानी सियासी दोस्ती के चलते 70 सीटें दे दीं। उनसे अच्छे तो 16 विधानसभा क्षेत्रों से जीतने वाले वामपंथी साबित हुए। यही वजह है कि विधान परिषद चुनावों में तेजस्वी ने कांग्रेस को दरकिनार कर दिया।

इस साल नवंबर-दिसंबर में गुजरात और हिमाचल में चुनाव होने हैं। यदि वहां कांग्रेस कोई कमाल न कर सकी, तो राजनीति के दंगल में उसकी शक्ति और क्षीण हो जाएगी। भारतीय जनता पार्टी ने इसीलिए अपनी समूची ताकत इन सूबों में झोंक दी है, पर कांग्रेस की ओर से अभी तक ऐसी कोई पहल सामने नहीं आई है, जो राष्ट्रव्यापी चर्चा का विषय बन सके।

हालांकि, कुछ रणनीतिकार ऐसे भी हैं, जो मानते हैं कि अगर अभी से सही मुद्दों पर आंदोलन किया जाए, तो नरेंद्र मोदी का करिश्मा फीका पड़ सकता है। राहुल गांधी शायद इसीलिए गांधी जयंती से 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू करने जा रहे हैं। वह इससे पहले भी किसानों और नौजवानों के पक्ष में संघर्ष करते दिखे हैं। पिछले चुनाव में राहुल ने राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद में कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा जोर-शोर से उठाया था, जिसे जनता ने दरकिनार कर दिया। इस तर्क को धारदार बनाने के लिए विश्लेषक अक्सर जयप्रकाश नारायण और विश्वनाथ प्रताप सिंह के सफ्ल आंदोलनों के उदाहरण देते हैं। जयप्रकाश नारायण से बात शुरू करते हैं। उन्होंने 1974 में जब आंदोलन की शुरुआत की थी, तब देश का मानस कैसा था? हमें आजाद हुए कुल 27 साल हुए थे। उन दिनों बड़ी संख्या में ऐसे लोग सक्रिय थे, जिन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी थी या वे उससे सहानुभूति रखते थे। उनको लगता था कि आजादी अभी अधूरी है, हमें दूसरी आजादी की लड़ाई लड़नी चाहिए।

भारत की स्वतंत्रता अपने साथ शहरीकरण का विस्तार लाई थी। इससे नई दिक्कतें उठ खड़ी हुई थीं। रोटी, रोजगार और विस्थापन के मुद्दों ने देश का मानस मथ रखा था। नौजवानों का बड़ा तबका मानता था कि हमारे साथ छल हुआ है। समय के उस दौर में समूची दुनिया में युवा आंदोलित थे और भटके हुए नौजवान 'हिप्पी' बन रहे थे। भारत में भी चे-ग्वेरा और फि्देल कास्त्रो को उन दिनों हीरो माना जाता था। आप याद कर सकते हैं कि नक्सलबाड़ी से उपजा नक्सलवाद कई प्रदेशों में तेजी से पांव पसार रहा था। इन नौजवानों के नायक माओ-त्से-तुंग हुआ करते थे। विद्रोह के भावों का कोलाहल साहित्य और सिनेमा तक से सुना जा सकता था। इसी ने अमिताभ बच्चन को 'एंग्री यंगमैन' बना दिया था।

ऐसे में, जब जयप्रकाश नारायण ने 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान किया, तो उन्हें समर्थन मिलना अनिवार्य था। उस बदलाव का मोरारजी देसाई, चरण सिंह और उनके साथियों ने क्या हश्र बनाया, वह हम सबके सामने है।

इंदिरा गांधी इसी के चलते सत्ता में लौटीं, पर 31 अक्तूबर, 1984 को उनकी हत्या हो गई। इस हादसे से उमड़ी सहानुभूति की लहर पर सवार राजीव गांधी 414 सांसदों के अभूतपूर्व बहुमत के साथ सत्ता की चौहद्दियों में दाखिल हुए थे। तीन साल बीतते न बीतते वह भी 'बोफोर्स विवाद' में घिर गए। नतीजतन, 1988 में विश्वनाथ प्रताप सिंह एक महानायक के तौर पर उभरे और अगले बरस प्रधानमंत्री बनने में भी कामयाब हो गए। लोग उनकी तुलना गांधी से करने लगे थे, लेकिन वह अपनी खिचड़ी सरकार को दो साल भी नहीं खींच पाए। यह भारतीय नौजवानों के सपनों की दूसरी भ्रूण हत्या थी।

नरेंद्र मोदी के खिलाफ मुद्दों के आधार पर मोर्चेबंदी का मनसूबा पाले लोग शायद इस तथ्य को जान-बूझकर नजरअंदाज करते हैं कि 1974, 1988 और 2022 के हालात में जमीन-आसमान का अंतर है। विपक्ष के पास जयप्रकाश नारायण जैसा कोई नेता नहीं है। बेरोजगारी तब भी थी और आज भी है। महंगाई तब भी परेशान करती थी, आज भी करती है, मगर अपने ही कर्मों का मारा विपक्ष इस पर कोई सार्थक आंदोलन करने की स्थिति में नहीं दिखाई पड़ता। ऊपर से मोदी और उनके मंत्रियों पर अभी तक भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं है।

इसके बरक्स महाराष्ट्र और झारखंड की खिचड़ी सरकारों का हाल देख लीजिए। विपक्ष आरोप भले ही कितना भी लगाता रहे कि केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है, पर ये एजेंसियां तभी हरकत में आ पाती हैं, जब उनके हाथ कुछ ठोस सुबूत लगे। महाराष्ट्र के दो मंत्री इन्हीं आरोपों के चलते जेल में हैं और तीसरे पर कार्रवाई चल रही है। झारखंड में भी जिस तरह छापेमारी हो रही है, उसने तमाम तरह की खबरों को जन्म दे दिया है। ऐसे विपक्ष से भाजपा विरोधी भी सार्थक उम्मीद पालने में नाकामयाब रहते हैं। यकीनन, इसीलिए अपनी हुकूमत के नौवें वर्ष में नरेंद्र मोदी को जैसा खुला मैदान मिल रहा है, वैसा अब तक नेहरू के अलावा किसी और को नहीं मिला। आप चाहें, तो इस तथ्य को भी उनके कीर्तिमानों की सूची में जोड़ सकते हैं।

तैराकी ने मुझे आजादी का पहला एहसास कराया

निरंजन मुकुंदन, पैरा-तैराक

वह जन्म से ही दिव्यांग हैं। साल 1994 में बेंगलुरु में पैदा निरंजन मुकुंदन को विधाता ने एक बेहद मुश्किल जिंदगी के साथ दुनिया में भेजा था, मगर माता-पिता के असीम प्रेम और त्याग ने उन्हें इतना सामर्थ्यवान बना दिया कि वह अपने देश के लिए गौरव के पल जीतने लगे। पूरे हिन्दुस्तान को उन पर नाज है। पिछले महीने ही चेक गणराज्य की राजधानी प्राग में आयोजित 'पैरा स्वीमिंग कप' प्रतिस्पर्द्धा में निरंजन ने 800 मीटर फ्री-स्टाइल प्रतियोगिता में नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया है। एक मध्यमवर्गीय परिवार में पैदा हुए निरंजन जन्म से ही 'स्पाइना बिफिडा' नामक रोग से पीड़ित थे। इस बीमारी में बच्चे की रीढ़ की हड्डी का समुचित विकास नहीं हो पाता, जिससे वह मानसिक या शारीरिकतौर पर अपंग हो जाता है। निरंजन पर कुदरत ने इतनी मेहरबानी की थी कि उसने उनके दिमाग को बख्श दिया था।

जिस आयु में एक शिशु को उसके माता-पिता गोद से उतारकर नरम बिस्तर पर रखते हैं, निरंजन अस्पताल के ऑपरेशन कक्ष में ले जाए गए। वह महज छह महीने के थे, जब उनकी पहली सर्जरी हुई थी। बेटे की सेहतयाबी के लिए माता-पिता हर उस दर पर गए, जहां से उन्हें कोई उम्मीद दिखी। दाहिना पैर साथ ही नहीं दे रहा था। चलना-फिरना बिल्कुल मुश्किल था। पिता हर जगह बेटे को लादे-लादे फिरते। साल 2000 की बात है। डॉक्टरों ने जांच के दौरान पाया कि निरंजन की रीढ़ की हड्डी के नीचे एक छोटी गांठ है, जिससे लगातार पानी रिस रहा है। उन्होंने उस गांठ को फौरन निकालने की सलाह दी।

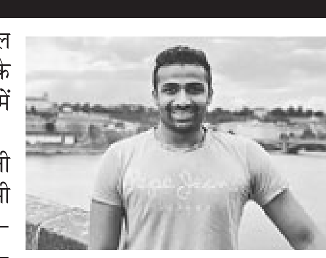

निरंजन उस वक्त सिर्फसाढ़े छह साल के थे। करीब 16 घंटे के ऑपरेशन के बाद डॉक्टर उस गांठ को निकालने में सफ्ल हो सके।

इस ऑपरेशन के बाद पानी रिसना तो बंद हुआ ही, पैरों में भी थोड़ी-सी जान आई। निरंजन कुछ-कुछ चलने लगे। घरवालों के साथ-साथ उनका भी आत्मविश्वास बढ़ा। इलाज जारी था। डॉक्टरों ने पैरों को ताकत देने के लिए कुछ और ऑपरेशन कराने को कहा। इतनी छोटी उम्र, और इतने सारे ऑपरेशन, पर दूसरा रास्ता भी क्या था? निरंजन के दोनों पैरों को मजबूती देने के लिए डॉक्टरों ने उनमें 32 रॉड डाले और पिता मुकुंदन आर को सलाह दी कि वह बेटे से घुड़सवारी या तैराकी कराएं। एक्वा थेरेपी से भी पैरों को मजबूती मिलती है।

माता-पिता मानसिक पीड़ा तो बांट सकते थे, पर शारीरिक दर्द कैसे साझा करते? बेटे की तकलीफदेखकर वे विह्वल हो उठते थे। लेकिन नौ साल के निरंजन में जैसे दशकों का धैर्य आ समाया। उन्होंने अपनी मां लक्ष्मी से कहा कि वह उन्हें तैराकी में ही डालें। साल 2003 में बेंगलुरु के जयनगर स्थित 'पीएम स्वीमिंग सेंटर' में निरंजन पहली बार पानी में उतरे। पानी में असीम आजादी का एहसास हुआ। जमीन पर चलने के लिए तो वह किसी न किसी सहारे के मोहताज थे, यहां वह बिना किसी मदद के इस पार से उस पार पहुंच सकते थे। प्रशिक्षक उन्हें कुछ उथले पानी वाली जगह पर उतारते, मगर निरंजन गहराई की जानिब बढ़ते चले जाते।

वह जरूर कोई मुबारक दिन रहा होगा, जब मशहूर तैराकी कोच जॉन क्रिस्टोफर की निरंजन पर निगाह पड़ी। क्रिस्टोफर उनकी तैराकी देख प्रसन्न हो गए। उन्होंने निरंजन के माता-पिता को बताया कि वे अपने बेटे को पेशेवर प्रशिक्षण दिलाएं। माता-पिता यह तो चाहते थे कि उनका बेटा किसी एहसास-ए-कमतरी का शिकार न रहे, मगर तैराकी को करियर बनाने की सलाह पर वे थोड़े ऊहापोह में थे। काफी सोचने-विचारने के बाद और बेटे की खुशी को देखते हुए उन्होंने इसके लिए हामी भर दी। उन्हें लगा, शायद इसी क्षेत्र में उनका बेटा इतना मजबूत हो जाएगा कि जब वे दोनों यहां से विदा होंगे, तब इत्मीनान के साथ उसे अलविदा कह सकेंगे।

जॉन क्रिस्टोफर ही निरंजन के कोच चुने गए। करीब एक साल के प्रशिक्षण के बाद मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में निरंजन उतरे और अपनी जिंदगी की पहली ही प्रतिस्पर्द्धा में उन्होंने रजत पदक अपने नाम कर लिया। इसके अगले वर्ष 2005 में कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धा में भी उन्हें रजत पदक मिला। शुरू-शुरू में तो निरंजन ने 50-100 मीटर बटरफ्लाई व फ्री-स्टाइल प्रतियोगिता तक खुद को सीमित रखा, लेकिन इनमें महारत हासिल करने के बाद वह 200 मीटर फ्री-स्टाइल में दक्षता हासिल करने में जुट गए। धुन के पक्के लोगों को एक भी कामयाबी मिल जाए, तो फिर उन्हें कहां कोई रोक पाता है! एक के बाद दूसरी कामयाबियां निरंजन के शारीरिक जख्मों के लिए रामबाण साबित होती चली गईं। साल 2012 उनकी जिंदगी में वह मुकाम लेकर आया, जिसकी हसरत पाले कितने ही खिलाड़ी बूढ़े हो जाते हैं। उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। बर्लिन में आईडीएम जर्मन तैराकी प्रतियोगिता में उन्होंने 200 मीटर फ्री-स्टाइल प्रतिस्पर्द्धा में कांस्य पदक जीता। यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय पदक था। इसके बाद 2014 और 2016 के 'आईडब्ल्यूएएस जूनियर वर्ल्ड गेम्स' में निरंजन ने कुल 16 पदक जीते, जिनमें छह स्वर्ण थे।

अपने युवा खिलाड़ी के मनोबल को ऊंचा रखने के लिए भारत सरकार ने जहां सर्वश्रेष्ठ पैरा-खिलाड़ी के राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा, तो वहीं कर्नाटक सरकार ने एकलव्य अवॉर्ड से पुरस्कृत किया। निरंजन कहते हैं कि सरकारें और कॉरपोरेट घराने यदि उदारता दिखाएं, तो पैरालंपिक में हम कमाल कर सकते हैं। हमारे पास प्रतिभाओं की कमी नहीं, बस उनका खोया आत्मविश्वास उन्हें लौटाने की जरूरत है। महज 26 की उम्र में 19 सर्जरी झेलने वाले इस दिलेर तैराक ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पद्धरओं में लगभग 85 पदक जीतकर यह जता दिया है कि कुछ कमियों, कुछ तकलीफों और कुछ शिकायतों के बावजूद यह जिंदगी हुलसकर जीने का नाम है।

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

नेताओं पर कुछ पाबंदियां जरूरी

वेद प्रताप वैदिक

संसद की संयुक्त समिति ने एक आदेश जारी किया है, जिसके कारण अब सांसदों को सिर्फ अपनी एक ही पेंशन पर गुजारा करना होगा। अभी तक एक सांसद को, यदि वह विधायक भी रहा हो और सरकारी कर्मचारी भी रहा हो तो तीन-तीन पेंशनें लेने की सुविधा बनी हुई है। हमारे सांसदों को तीन लाख 30 हजार रु. तो हर महिने वेतन के तौर पर मिलते ही हैं, उन्हें तरह-तरह की इतनी सुविधाएं भी मिलती हैं कि उन सबका हिसाब बाजार भाव से जोड़ा जाए तो उन पर होने वाला सरकारी खर्च कम से कम 10 लाख रु. प्रति माह होता है। जबकि भारत के लगभग 100 करोड़ लोग 10 हजार रु. प्रति माह से भी कम में गुजारा करते हैं। हमारे वे सांसद और विधायक बिल्कुल भौंदू माने जाएंगे, जो सिर्फ अपने वेतन और भत्तों पर ही निर्भर होंगे। राजनीति में आने वाला हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पार्टी का हो, उसके लिए यह सरकारी वेतन और भत्ते तो ऊँट के मुंह में जीरे के समान हैं। हमारी राजनीति का शुद्धिकरण तभी हो सकता है जबकि हमारे जन-प्रतिनिधि आचार्य कौटिल्य की सादगी का अनुकरण करें या यूनानी विद्वान प्लेटो के दार्शनिक सेवकों की तरह रहें।

प्रधानमंत्री ने खुद को 'प्रधान जनसेवक' कहा है, जो बिल्कुल उचित है लेकिन हमारे नेता गण वास्तव में जनता के प्रधान मालिक बन बैठते हैं। उनकी लूट-पाट और उनकी अकड़ हमारे नौकरशाहों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक होती है। वे उनसे भी ज्यादा अकड़बाज और लुटेरे बनकर ठाठ करते हैं। संसदीय समिति को बधाई कि उसने अभी सांसदों की दुगुनी-तिगुनी पेंशन पर रोक लगाई है लेकिन यह काम अभी अधूरा ही है। उसे पहला काम तो यह करना चाहिए कि सांसदों को अपने वेतन और भत्ते खुद ही बढ़ाने के अधिकार को वह समाप्त करे। दुनिया के कई लोकतांत्रिक देशों में यह अधिकार दूसरे संगठन को दिया गया है। इसके अलावा जरा यह भी सोचा जाए कि यदि कोई व्यक्ति पांच साल से कम समय तक संसद और विधायक रहे तो उसे पेंशन क्यों दी जाए? क्या सरकारी कर्मचारी और विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों को इस तरह पेंशन मिल जाती है? मेरी अपनी राय तो यह है कि सांसदों और विधायकों को कोई पेंशन नहीं लेनी चाहिए।

इसके अलावा यदि विभिन्न राज्यों का हिसाब-किताब देखें तो वहां पेंशन के नाम पर लूट मची हुई है। कई राज्यों में जो विधायक कई बार चुने जाते हैं, उनकी पुरानी पेंशन में नई पेंशन भी जुड़ जाती है। पंजाब में अकाली दल के 11 बार विधायक रहे प्रकाशसिंह बादल को लगभग 6 लाख रु. प्रति माह पेंशन मिलती है। 'आप पार्टी' की मान सरकार इस प्रावधान पर रोक लगा रही है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

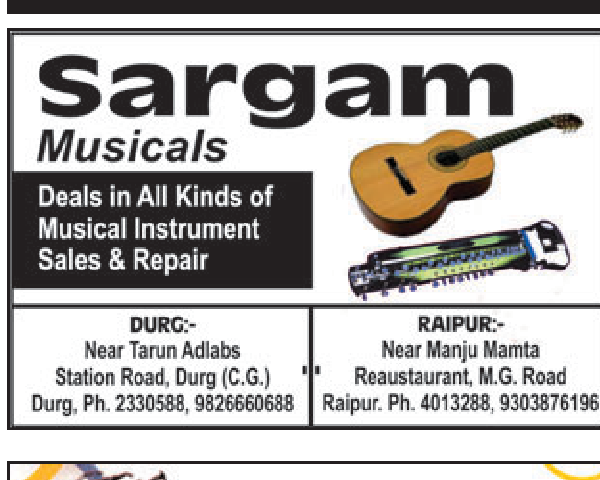

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

लघु वनोपज के वेल्यू एडिशन से तेजी से बढ़े रोजगार के अवसर - मुख्यमंत्री

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। प्रेस क्लब भवन निर्माण के लिए दी 15 लाख रूपए की मंजूरीमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि हमारी सरकार लघुवनोपजों के क्रय की बेहतर नीति की वजह से स्थानीय वनोपज संग्राहको को अपने वनोपज के बढिया दाम मिले पहली बार उन्हें यह महसूस हुआ की उन्हें अपने श्रम का वास्तविक मूल्य मिल पाया है। इसके साथ ही हमने इन लघु वनोपजों के वैल्यू एडिशन की नीति तैयार की।

संस्करण केन्द्र आरंभ किए जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर जनजातीय क्षेत्रों में पैदा हुए। इस नीति की वजह से ही इन दो-तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ लघुवनोपजों की खरीदी में पूरे देश प्रथम स्थान पर रहा है और कोरोना काल में भी आर्थिक मंदी से अछूता रहा। मुख्यमंत्री ने भेंट मुलाकात के दौरान कांकेर जिला के भानुप्रतापपुर में ये बाते कही। भानुप्रतापपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भानुप्रतापपुर में आयोजित प्रेसवार्ता में 39.75 करोड़ रुपए के 106 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने पत्रकार वार्ता में मीडिया प्रतिनिधियों की मांग पर प्रेस क्लब भवन के लिए 15 लाख रुपए देने की भी घोषणा की। उन्होंने भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए 30.10 करोड़ रूपयों के 101 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 9.64 करोड़ रूपयों के 05 विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

श्री बघेल ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 13.64 करोड़ रूपयों के 20 विकास कार्यों, जल संसाधन विभाग के 4.83 करोड़ रूपयों के 02 विकास कार्यो, समग्र शिक्षा अंतर्गत शाला भवन निर्माण हेतु 21.85 लाख रूपयों, लोक निर्माण विभाग के 4.22 करोड़ रूपयों के 02 विकास कार्यों, जिला खनिज संस्थान न्यास निधि के द्वारा 6.93 करोड़ लागत के 76 विकास कार्यो का भूमिपूजन किया। उन्होंने जल संसाधन विभाग के 3.46 करोड़ लागत के 02 विकास कार्यों, 5.71 करोड़ लागत से बने लोक निर्माण विभाग के 02 विकास कार्यो तथा सीएचसी दुर्गूकोंदल में 46.95 लाख लागत से बने ऑपरेशन कक्ष का लोकार्पण भी किया।

स्थानीय जनजातीय संस्कृति एवं सभ्यता के संरक्षण एवं आने वाली पीढ़ियों को संस्कृति के गौरव को बढ़ाने हेतु भानुप्रतापपुर विधानसभा में 1.91 करोड़ लागत से बनाये जा रहे 23 घोटुलों एवं स्थानीय कलाकारों की कला को मंच प्रदान करने हेतु 1.30 करोड़ की लागत से 26 रंगमंचों का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा 2.79 करोड़ रूपये की लागत से 14 गांवों में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य गोदामों का निर्माण कराया जायेगा।

''चलो पानी बचाएं, पेड़ लगाएं और बंद करे प्लास्टिक का प्रयोग''

स्वच्छ पर्यावरण स्वस्थ जीवन की अनिवार्य दशा है, इसका संरक्षण करें: सुश्री उइके

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देश-प्रदेश के समस्त नागरिकों से आह्वान किया है कि पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दें। साथ ही इसके संरक्षण के लिए एकजुट होकर प्रयास करें।

राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा है कि हमारा पर्यावरण प्रकृति का अनमोल उपहार है और इसे हमें अपने और आने वाली पीढ़ी के लिए सहेज कर रखना होगा। प्राचीनकाल में हमारा जीवन प्रकृति पर आश्रित था और हम उनके महत्व को समझते थे। तब प्रकृति संतुलन की स्थिति में थी, परन्तु आज हमने अंधाधुंध विकास के नाम पर प्रकृति को असंतुलित कर दिया गया है। इसके कारण पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, बाढ़, सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना हमें करना पड़ रहा है। अब समय आ गया है कि हम सजग हों और पर्यावरण को बचाएं, अन्यथा इसके गंभीर परिणाम होंगे।

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए हमें दृढ़ संकल्पित रहते हुए कार्य करना होगा। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि अपने आसपास के स्थान को स्वच्छ बनाएं, नदी, तालाब

और अन्य जल स्रोतों को दूषित होने से बचाएं । कम होते भू-जल स्तर के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए उन्होनें भू-जल के संर्वधन और संरक्षण के लिए जनता से आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि समस्त अभिभावक स्वयं पर्यावरण के महत्व को समझें और अपने बच्चों को भी इसके महत्व को समझाएं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि आप सभी वृक्षारोपण करने, प्लास्टिक का उपयोग न करने का संकल्प लें। इन छोटे-छोटे कदमों से हम निश्चय ही पर्यावरण को स्वच्छ रख पाएंगे।

खास खबर

दसवीं की परीक्षा में पूरे प्रदेश में प्रथम आने वाली सोनाली बाला को मुख्यमंत्री ने दिया लैपटॉप

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने भेंट मुलाक़ात कार्यक्रम के तहत पखाँजुर में राज्य स्तर में कक्षा दसवीं में 98.67 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सोनाली बाला को लैपटॉप देकर सम्मानित किया। सोनाली शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोंडाहूर की छात्रा है। इसके अलावा राज्य स्तर पर 98.18 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान आदर्श विद्यानिकेतन पीव्ही 46 के छात्र कमलेश सरकार, पाँचवा स्थान लाइफ़एकेडमी पंखाजुर के प्रेम विश्वास, छठवा स्थान शासकीय हाई स्कूल विद्यालय गोड़ाहूर की कंकना धरामी, सातवाँ स्थान आदर्श विद्यानिकेतन पीव्ही 46 की हेमा दत्ता और दसवाँ स्थान शासकीय हाईस्कूल अम्बेडकर नगर पीव्ही 32 की छात्रा नूपुर विश्वास ने प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री बघेल ने इन विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

उर्स पाक : संदल चादर प्रतियोगिता में यंग ग्रुप केलाबाड़ी ने मारी बाजी

दुर्ग। हजरत बाबा सैय्यद अब्दुर्रहमान शाह काबुली रहमतुल्लाह अलैह के 70 वें उर्स पाक पर पुराना बस स्टैण्ड में चार दिनों तक कव्वाली की महफिल सजी, वहीं विभिन्न कमेटियों द्वारा आकर्षक संदल चादर व संदेशवाहक झांकियां निकालकर उर्स पाक में चार चांद लगा दिया। शुक्रवार को गरिमामय कार्यक्रम में सालाना उर्स पाक कमेटी ने संदल चादर व झांकी प्रतियोगिता के प्रतिभागी टीमों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अरुण वोरा थे। अध्यक्षता सालाना उर्स पाक कमेटी के अध्यक्ष प्रकाश देशलहरा ने की। विशेष अतिथि के रुप में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजेन्द्र साहू,पत्रकार धनेन्द्र सिंह चंदेल,सीएसपी अभिषेक झा, दुर्ग थाना प्रभारी एसएन सिंह मौजूद थे। अतिथियों द्वारा संदल चादर व झांकी प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

योजनाओं का लाभ दिलाने संवेदनशीलता के साथ काम करें: मुख्यमंत्री

- स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में 16 जून तक की जाए शिक्षकों की व्यवस्था
- दिव्यांग बच्चों की शिक्षा और सहायक उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित करें
- जलवायु के अनुरूप अदरक, हल्दी, काली मिर्च की खेती को दें बढ़ावा
- हाट बाजार क्लिनिक की संख्या बढ़ाएं
- ओरछा में लीची की नर्सरी विकसित करें

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि आम जनता कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। साथ ही राज्य सरकार के निर्देशों पर गंभीरता से अमल करें। मुख्यमंत्री श्री बघेल भेंट-मुलाकात अभियान के दौरान आज भानुप्रतापपुर में अधिकारियों के साथ

आयोजित बैठक में शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में विधानसभा उपाध्यक्ष मनोज सिंह मण्डावी, मुख्यमंत्री के सलाहकार राजेश तिवारी, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ.एस.भारतीदासन भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भेंट-मुलाकात के दौरान दिव्यांग बच्चों द्वारा पढ़ाई की सुविधा और सहायक उपकरणों की मांग की जा रही है। अधिकारी ऐसे बच्चों की पढ़ाई के लिए आवश्यक व्यवस्था करें। स्कूलों में जाति प्रमाण पत्र बनाने की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्थाई जाति प्रमाण पत्र बनाते समय पूरी जानकारी एकत्र की जाए, ताकि स्थाई जाति प्रमाण पत्र बनाने में कठिनाई न हो। उन्होंने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में 16 जून तक शिक्षकों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में समय से पाठ्यपुस्तकों का वितरण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि गौठानों में मछलीपालन तथा पोखर निर्माण, जल जीवन मिशन, हाट बाजार क्लिनिक योजना, मुख्यमंत्री कुपोषण अभियान की समीक्षा की। उन्होंने हाट बाजार क्लिनिक की संख्या बढ़ाने और ग्रामीणों के लिए उपयोगी इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, बारिश के दौरान मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए जरूरी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने नरवा विकास योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि लोगों का खेती-किसानी के प्रति रूझान बढ़ा है। इसलिए वाटर रिचार्जिंग का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने वन धन समितियों के कार्यो के सुचारू संचालन के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि पिछले एक वर्ष में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की संख्या में 3 प्रतिशत की कमी आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौठानों को रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित करने के लिए संचालित की जा रही आर्थिक गतिविधियों से आम आदमी और महिला समूहों की आय में वृद्धि हो। गौठानों में विभिन्न समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की मार्केटिंग की व्यवस्था, गौठानों में अलग-अलग तरह की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने, स्थानीय जलवायु के अनुरूप अदरक, हल्दी, काली मिर्च की खेती को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने नारायणपुर के 08 आवर्ती चराई गौठानों में पानी की व्यवस्था करने, गोबर खरीदी के लिए अधिक से अधिक पशुपालकों का पंजीयन करने, गौठानों में चाक निर्माण तथा अण्डा उत्पादन की यूनिट लगाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सहकारी बैंकों के माध्यम से कृषि से संबंधित योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने तथा धान के अलावा अन्य फसलों के लिए भी ऋण दिया जाए। नारायणपुर में काली मिर्च और लीची की पैदावार को बढ़ावा दिया जाए। वन विभाग फलदार पौधों का रोपण करें। उन्होंने ओरछा में लीची की नर्सरी विकसित करने के निर्देश वन विभाग के अधिकारियों को दिए।

संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने दिव्यांग मोनू को प्रदान की बैटरी चलित ट्राय सायकल

श्रीकंचपथ न्यूज

जगदलपुर। संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने आज जिले के जगदलपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत नियानार के ग्राम लामनी जामगुड़ा पारा के दिव्यांग व्यक्ति मोनू को ट्राय सायकल प्रदान किया। इस अवसर पर संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन ने कहा की हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी दिव्यांगों के प्रति संवेदनशील हैं। उनके दिशा-निर्देश पर लगातार दिव्यांगों को बैटरी चलित ट्रायसायकल प्रदान की जा रही है। जिससे कारण उनका जीवन सुगम हो रहा है।

ट्रायसायकल मिलने के बाद बहुत ही प्रसन्नचित नजर आ रहे दिव्यांग मोनू ने कहा कि हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी की सहृदयता एवं संवेदनशीलता के कारण आज उन्हें यह ट्रायसायकल मिली है। उन्होंने कहा कि विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन से बैटरी चलित ट्रायसायकल प्रदान करने का निवेदन किया था। संसदीय सचिव जैन ने संवेदनशीलता के साथ उनके अनुरोध को स्वीकार करते हुए उन्हें तत्काल बैटरी चलित ट्राय साइकिल प्रदान की है। ट्रायसायकल मिलने से अब उन्हें जरूरी कार्यो के लिए कहीं भी आने-जाने में आसानी होगी। ट्रायसायकल प्रदान करने के लिए दिव्यांग मोनू ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, समाज कल्याण विभाग की मंत्री श्रीश्रीमती अनिला भेड़िया, संसदीय सचिव रेखचंद जैन का आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री अकबर ने वैष्णव समाज के लिए सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया

श्रीकंचपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ सरकार के वन, परिवहन, आवास, पर्यावरण, विधि विधायी तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री व कवर्धा विधायक श्री मोहम्मद अकबर ने आज कवर्धा नगर पालिका अंतर्गत वैष्णव समाज के लिए 10 लाख रूपए की राशि से स्वीकृत सामुदायिक भवन का विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भूमिपूजन किया।

मंत्री अकबर ने वैष्णव समाज के सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर

कवर्धा नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष जमील खान कलीम खान, पार्षद मोहित महेश्वरी, अशोक सिंह, प्रमोद लुनिया, सुनील साहू, उत्तम गोप, एल्डरमेन कौशल कौशिक, मुकंद माधव कश्यप, राजेश शुक्ला, राजकुमार तिवारी, प्रशांत परिहार, मनोज दुबे, गोरे चंद्रवंशी बिहारी दास वैष्णव, विवेक वैष्णव, संतोष वैष्णव, धनराज दास वैष्णव पुरूषोत्तम वैष्णव, मनोज वैष्णव सहित समाज के सदस्य, जनप्रतिनिधि प्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित थे।

मंत्री अकबर ने वैष्णव समाज को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सभी वर्गो के हितों एवं सामाजिक उत्थान की दिशा में अथक प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार गांव, गरीब, किसान, वनवासी से लेकर युवाओं और महिला समूहों के आर्थिक उत्थान के लिए योजना और कार्यक्रम बनाकर लाभ देने का प्रयास कर रही है। सभी समाजों के हितो और उसके सामाजिक उत्थान की दिशा में हम लागतार प्रयास कर रहे हैं और इसी तरह समाज को आगे बढ़ाने के लिए काम करते रहेंगे।

सड़क पर वाहन खड़े करने पर पार्किंग शुल्क लगाने की दी चेतावनी, टुल्लू पंप लगाकर सार्वजनिक नलों से पानी खींचने वालों को किया खबरदार

साइकिल से वार्ड भ्रमण में निकले महापौर ने जताई अतिक्रमण पर नाराजगी

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई -3। महापौर निर्मल कोसरे आज फिर साइकिल में सवार होकर वार्ड भ्रमण पर निकले। इस दौरान उन्होंने सड़क पर वाहन आदि खड़े करने वालों को पार्किंग चार्ज लगाने की चेतावनी दी। वहीं टुल्लू पंप लगाकर सार्वजनिक नलों से दूसरे के हक का पानी खींचने वालों को भी खबरदार किया है।

प्रत्येक रविवार को साइकिल से वार्ड भ्रमण कार्यक्रम के तहत भिलाई - चरोदा महापौर निर्मल कोसरे ने आज 8 वार्डों की जनता से मुलाकात किया। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्या सुनी और अधिकारियों को त्वरित निराकरण का निर्देश दिया। श्री कोसरे अलसुबह अपने वसुंधरा नगर दक्षिण निवास से साइकिल भ्रमण पर निकले। उनके साथ एमआईसी सदस्य, पार्षद और कांग्रेस के पदाधिकारी भी शामिल थे। उन्होने साइकिल में सवार होकर सिरसा गेट चौक से वार्ड 18 वसुंधरा नगर, वार्ड 19 पदुम नगर, वार्ड 20 पंचशील नगर पश्चिम, वार्ड 25 पंचशील नगर पूर्व, वार्ड 24 शिक्षित नगर, वार्ड 23 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, वार्ड 22 चरोदा भाठापारा व वार्ड 21 चरोदा बस्ती का भ्रमण किया।

इस दौरान ज्यादातर वार्डों में घर के बाहर सड़क पर कार, आटो व हाथ ठेला खड़ी करने से आवागमन में हो रही दिक्कत की ओर लोगों ने महापौर का ध्यानाकर्षण कराया। इस तरह की समस्या चरोदा भाठापारा में ज्यादा मिलने पर श्री कोसरे ने ऐसा करने वालों को तीन दिन के भीतर व्यवस्था नहीं बनाने की स्थिति में पार्किंग चार्ज लगाने की चेतावनी दी है। इसी तरह चरोदा भाठापारा में सार्वजनिक नल में टुल्लू पंप लगाकर पानी खींचने वाले आधा दर्जन परिवार को खबरदार करते हुए टुल्लू पंप जप्त करने की चेतावनी महापौर ने दी। पदुम नगर वार्ड में नया मकान बनाते समय निगम की नाली तोड़ने वाले को दो दिन में नाली निर्माण करने व पंचशील नगर में नाले पर किए गए अतिक्रमण को हटाने का निर्देश महापौर ने दिया। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में वालीबॉल खिलाड़ी बच्चों की मांग पर उन्होंने तीन दिन के भीतर स्ट्रीट लाइट लगाने का आश्वासन दिया। इसी वार्ड में बने वाम्बे आवास कालोनी में रहवासियों के द्वारा किए गए अतिक्रमण पर नाराजगी जताते हुए श्री कोसरे ने निगम अधिकारियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने का आदेश दिया है।

साइकिल भ्रमण के दौरान चरोदा सत्संग मंदिर के पास अवैध रूप से झोपड़ी बनाकर रहने वाले तीन परिवार से महापौर ने सोमवार को निगम कार्यालय आकर प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी करने को कहा है। वहीं चरोदा भाठापारा में गणेश चौक के पास रहने वाले एक परिवार के जर्जर आवास को देख महापौर ने राजीव आश्रय योजना के तहत पट्टा दिलाकर मोर जमीन मोर मकान योजना का लाभ दिलाने का भरोसा दिया। अंत में उन्होंने पर्यावरण दिवस के अवसर पर राम मंदिर व शीतला मंदिर तालाब में वृक्षारोपण कर कार्यक्रम का समापन किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता व समाजसेवी सुरेश धिंगाणी, एमआईसी सदस्य मोहन साहू, एम. जॉनी, एस. वेंकट रमना, मनोज डहरिया, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज मढ़रिया, पार्षद टेनेन्द्र ठाकरे, मिलिंद दानी, बाबूराव, युवराज कश्यप, शरद यादव सहित अनेक लोग शामिल थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
Arhum Electronics
9926100315
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

आठ साल का आदित्य बच्चों और युवाओं को बता रहा पर्यावरण की अहमियत, 201 पौधे लगाने का लिया संकल्प

रायपुर (ए)। पर्यावरण के प्रति बच्चों, युवाओं को जागरूक करने के लिए आठ वर्षीय आदित्य राजे ने अपनी सोसाइटी सफायर ग्रीन में 201 पौधे लगाने का संकल्प लिया है। पिछले वर्ष 101 छायादार पौधे लगाए थे। अपनी सोसाइटी के लोगों को फलदार पौधे पीपल, नीम, आम का वितरण किया। अपने निवास पर प्रेसवार्ता में बताया कि वे अपने दोस्तों, रिश्तेदारों से भी पौधारोपण करने की अपील करते हैं कि पर्यावरण दिवस के अवसर पर वे 201 पौधों का वितरण करेंगे। गौरतलब है कि कोरोना काल में दो साल पहले केवल छह की उम्र में अपना गुल्लक फोड़कर और अपने दादा-दादी तथा माता-पिता से पैसे लेकर मदद की थी। भूखों को भोजन कराने के लिए कोरोना वारियर्स के रूप में भी सम्मान मिल चुका है। पुरी मठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती, राज्यपाल अनुसुईया उइके, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, डॉ. देवेंद्र नायक ने भी कार्यों को सराहा है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ के 123 खिलाड़ी दिखाएंगे जौहर

रायपुर। पंचकूला हरियाणा में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में प्रदेश से 13 खेलों के 123 खिलाड़ी जौहर दिखाएंगे। चार जून के इसका आगाज हुआ, जिसमें हिस्सा लेने के लिए जूडो टीम को छोड़ बाकी खेलों की टीमें शुक्रवार को रवाना हो गईं। स्पर्धा 14 जून तक चलेगी। वालीबाल, वेटलिफ्टिंग, स्वीमिंग की पिछले दिनों हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य के खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतर रहा, जिससे उम्मीद की जा रही है कि यूथ गेम्स में यहां के खिलाड़ी गोल्ड मेडल ला सकते हैं। प्रदेश की जूडो टीम छह जून को दुर्ग से रवाना होगी। विभिन्न जिलों से 11 बालक-बालिका जूडो खिलाड़ी, दो प्रशिक्षकों और दो प्रबंधकों का चयन किया गया है। बालिका टीम में नंदिनी सिंह 65 किलोग्राम से कम दुर्ग जिला, ललिता साहू 44 केजी से कम बिलासपुर जिला, श्रद्धा गोस्वामी 57 किलो से कम बिलासपुर, दीपिका साहू 40 किलो से कम दुर्ग, हर्षिता प्रसाद 48 किलो से कम दुर्ग, तेजस्विनी राठौर 63 किलो से अधिक बलौदा बाजार भाटापारा से चयनित हैं। बालक वर्ग में हर्ष दुबे 66 किलो से कम दुर्ग जिला, बृजराज सिंह 73 किलो से कम दुर्ग, उनेश कुडियम 60 किलो से कम बीजापुर जिला, हर्ष सिंह 81 किलो रायगढ़ एवं निरंजन कुमार 81 किलो रायगढ़ का चयन किया गया है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण कर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

रायपुर (ए)। हर वर्ष की भांति विश्व पर्यावरण दिवस वृक्षारोपण करके मनाया गया। विश्व में 150 से ज्यादा देशों में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। इसी तारतम्य में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के दिशा निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र एवं छात्रा इकाई के संयुक्त तत्वाधान में विश्वविद्यालय परिसर में फलदार और छायादार पौधों का रोपण करके उसे संरक्षित करने का संकल्प भी लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने वृक्ष एवं जल संरक्षण पर छात्र-छात्राओं को संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सुखी धरती कर रही हैं पुकार, आओ वृक्ष लगाकर करें श्रृंगार और जल जंगल है तो हम है हमारे आने वाले कल होंगे। यदि पेड़ पौधे की सरंक्षण नही किया गया तो वो दिन दूर नही जैसे पानी के बोतल लेकर आज चलना पड़ता है ठीक वैसे ही आक्सीजन सिलेंडर लेकर चलना पड़ सकता हैं।

भेंट-मुलाकात अभियान

पखांजूर में खुलेगा कृषि महाविद्यालय बांदे को मिला पूर्ण तहसील का दर्जा

पखांजूर में भेंट मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की महत्वपूर्ण घोषणा

कोयलीबेड़ा में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलने और परलकोट जलाशय के जीर्णोद्धार की घोषणा भी की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भेंट मुलाकात कार्यक्रम के लिए अंतागढ़ विधानसभा के पखांजूर पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पखांजूर में कृषि महाविद्यालय आरंभ करने और बांदे को पूर्ण तहसील का दर्जा देने जैसी महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कोयलीबेड़ा में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलने और परलकोट जलाशय के जीर्णोद्धार जैसी घोषणाएं भी की। इसके साथ ही पखांजूर में मुख्य मार्ग में 4 किमी का गौरवपथ बनाने, कंदारी में उपस्वास्थ्य केंद्र और बालक-बालिका आश्रम बनाने, दिव्यांग निताई मंडल की मदद देने तथा राशन कार्ड के लिए विशेष शिविर लगाने की घोषणा की। पखांजूर के एक युवक सोमेन ने मुख्यमंत्री से कहा कि पहले शहर के स्टेडियम का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर था। पंद्रह साल पहले इसका नाम बदल कर पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर कर दिया गया। हम चाहते हैं कि इसका नाम पुन: नेता जी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर कर दिया जाए। सोमेन के कहने का ताली बजाकर उपस्थित जनसमूह ने समर्थन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने स्टेडियम का नाम नेता जी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखने की घोषणा की। सोमेन ने ही मुख्यमंत्री को बताया कि क्षेत्र में परलकोट जलाशय पर खेरकट्टा बांध बना है पर बांध की स्थिति ठीक नहीं है। बांध की मरम्मत और जीर्णोद्धार की जरूरत है। बांध के जीर्णोद्धार से क्षेत्र के कई गांवों में पानी और सिंचाई की सुविधा मिल जाएगी। मुख्यमंत्री बघेल ने इस बार भी तत्काल निर्णय लिया और परलकोट जलाशय के गहरीकरण तथा खेरकट्टा बांध के जीर्णोद्धार को मंजूरी दे दी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने परलकोट के जमींदार और शहीद गैंद सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। मुख्यमंत्री का स्वागत पारंपरिक हल्बी लोकगीत धनकुल से किया गया। उन्हें पारंपरिक वाद्ययंत्र तोड़ी भेंट किया गया। साथ ही आदिवासी महिलाओं ने मुख्यमंत्री को हाथ से कूटा चिवड़ा और वनोपज तेंदू, चार तथा नागर कांदा, कोचई कांदा, डांग कांदा और केऊ कांदा भेंट किये। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने पूरे प्रवास में खूब केऊ कांदा खाया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री के सलाहकार राजेश तिवारी और अंतागढ़ विधायक अनूप नाग एवं अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नरनारायण आश्रम पहुंचे, बंगाली व्यंजन का लिया आनंद

मुख्यमंत्री इस दौरान नर नारायण सेवा आश्रम परिसर भी पहुँचे। यहां उनका स्वागत स्थानीय बंग परंपरा अनुसार उलु एवं शंख तथा खोल (ढोल) की ध्वनियों से हुआ। मुख्यमंत्री ने नर-नारायण सेवा मंदिर में स्वामी सत्यानंद परमहंस देवजी की समाधि, राधा-कृष्ण और शिव लिंग की पूजा की। यहां के संन्यासियों को उन्होंने गेरूवा वस्त्र भेंट किया तथा आश्रम परिसर में कदंब का पौधा भी लगाया। यहां उन्हें बंगला भोजन परोसा गया। इसमें बंगाली व्यंजन कुली पीठा, पाठी शिपठा, केला का बड़ा, लाबरा, आम की चटनी, खीर और कुम्हड़ा भाजी शामिल थे।

राशन कार्ड बनाने लगेंगे विशेष शिविर

मुख्यमंत्री ने राशन कार्ड से संबंधित दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। विनय ने बताया कि मेरे माता-पिता का राशन कार्ड है मेरा नाम काट दिया गया है नया कार्ड नहीं बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को पात्रता जांच कर जल्द राशन कार्ड बनवाने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने राशन कार्ड के लिए विशेष शिविर भी लगवाने के निर्देश दिये।

कर्ज माफ हुआ तो दो बार बोर खुदवाया

मुख्यमंत्री से किसानों ने अपनी बात रखी। सुशील मंडल ने बताया कि उनके पास 4 एकड़ जमीन है। सवा लाख का धान बेचा है। अच्छी आय प्राप्त हुई है। एक लाख का कर्जा माफहुआ है इससे दो बोर खुदवा लिये हैं। बबिता मंडल ने कहा कि आपने इरपानार क्षेत्र में डाक्टर की समस्या दूर कर दी, इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। मुख्यमंत्री ने अन्य सभी विकास योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित फीडबैक की जानकारी भी ली।

लीमदरहा मिडवे रिसार्ट फुर्सत के क्षण बिताने टूरिस्टों के लिए होगा अहम मुकाम, भूपेश बघेल ने किया लोकार्पण

रायपुर। रायपुर से बस्तर की ओर जाने वाले बेहद व्यस्त नेशनल हाईवे में अब तक कोई ऐसा अच्छा फूड जोन नहीं था, जहां टूरिस्ट थकान दूर कर सकें और हाइजिनिक फूड का सेवन कर तथा चारों ओर फैली प्राकृतिक सुंदरता के वातावरण में कुछ समय बिताकर आगे बढ़ सकें। खाल्हेमुरवेंड में बने लीमदरहा मिडवे रिसार्ट ने यह कमी पूरी कर दी है। यह प्रदेश का पहला सर्व सुविधायुक्त मिडवे रिसार्ट होगा, जहां राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के व्यंजन उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 7 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित अपनी तरह के अनूठे रिसॉर्ट का लोकार्पण किया। इस मौके पर यहां घूमने आए पर्यटकों ने मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी खिंचाने का आग्रह किया तथा सुझाव दिया कि यहां पर गेम जोन भी होता तो बच्चों को घूमने में और भी मजा आता। पर्यटकों

के सुझाव पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही यहां गेम जोन विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ई-रिक्शा में बैठकर लीमदरहा रिसोर्ट का निरीक्षण किया। जिला प्रशासन कोंडागांव द्वारा बनवाया गया यह रिसार्ट यात्रियों को स्वादिष्ट फूड चेन के साथ ही हाइजिनिक टायलेट युक्त सुंदर काटेज भी रिफ्रेशमेंट के लिए उपलब्ध होगा। इसके साथ ही यहां स्थानीय लोगों को बड़े पैमाने पर रोजगार भी दिलाया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि इस एनएच से हर दिन 200 बसें और हजारों कारें गुजरती हैं। खाल्हेमुरवेंट रायपुर से 160 किमी और जगदलपुर से 140 किमी है। इस तरह दोनों ओर से आने वाले यात्रियों के लिए सही समय पर सुस्ताने का शानदार मौका उपलब्ध कराएगा। इसके साथ ही बेरोजगार लोगों को रोजगार के बड़े पैमाने पर मौके भी उपलब्ध होगा।

अंतागढ़ में अपर कलेक्टर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की होगी पदस्थापना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अंतागढ़ विधानसभा के दौरे पर रहे और इसका पहला चरण पोड़गांव में ग्रामीणों से भेंट मुलाकात का था। मुख्यमंत्री ने लोगों की मांग पर अंतागढ़ में अपर कलेक्टर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की पदस्थापना करने की घोषणा की। उन्होंने अंतागढ़ में तहसील कार्यालय भवन की भी घोषणा की ।मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में अंतागढ़ पोड़गांव से टेमरूपानी रोड के चौड़ीकरण के साथ ही आमाबेड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने की घोषणा की। उन्होंने अंतागढ़ गोल्डन चौक से बिजली आफिस तक माडल रोड निर्माण, ग्राम पंचायत बंडापाल बालक बालिका मिडिल स्कूल आश्रम, उपस्वास्थ्य केंद्र भैंसासुर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने की घोषणा के साथ ही ग्राम पंचायत बड़े गोपाल में नवीन आंगनबाड़ी की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने पोड़गांव हायर सेकेंडरी स्कूल के नवीन भवन के साथ ही गुडरापारा में पुलिया निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री पोड़गांव पहुंचकर छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना की और जैसे ही मुख्यमंत्री ने खेती-किसानी पर किसानों से चर्चा करनी आरंभ की, वैसे ही आमाबेड़ा के किसान सोनू ने अपनी बात मुख्यमंत्री के सामने रख दी। सोनू ने कहा कि मुख्यमंत्री जी, राजीव गांधी न्याय योजना के माध्यम से हम सबको अपनी फसल का उचित मूल्य मिल पाया है। किसानों के लिए इतनी संवेदनशीलता से सोचने के लिए आपका धन्यवाद। पता चला कि आप हमारे गांव आ रहे हैं तो आपको भेंट देने मैं अपने खेतों में उगाया ब्लैक राइस लाया हूँ। भेंट-मुलाकात के दौरान सरेंडी गांव के तलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री जी, आप वायदे के पक्के हैं। मेरा कर्जा भी माफ हुआ और न्याय योजना का लाभ भी मिला। जब जब पैसे की जरूरत होती है न्याय योजना का पैसा खाते में आ जाता है और चिंता दूर हो जाती है। मुख्यमंत्री ने इस पर खुशी जताते हुए कहा कि किसानों का संतोष ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों की कर्जमाफी हुई और उत्पादन का उचित दाम मिला जिसके चलते वे खेती की बेहतरी के लिए निर्णय ले पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा कि कोरोना के चलते बारदाने की फैक्ट्री बंद थी। इस पर भी हमने सभी पंजीकृत किसानों से धान खरीदी का अपना वायदा निभाया और 98 लाख मीट्रिक टन का रिकार्ड धान खरीदा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रासायनिक खाद की कमी को देखते हुए, हमने गौठानों के माध्यम से अधिकतम वर्मी कंपोस्ट बनाने का कार्य हमने प्राथमिकता से कराया। भूमि की ऊर्वरता के लिए आप अधिकाधिक कंपोस्ट खाद बनाइये और इसका खेतों में इस्तेमाल करिये। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने टोंगराज बाबा के मंदिर को आम जनता के लिए समर्पित कर बाबा के दर्शन भी किये। इस मौके पर विधायक अनूप नाग एवं मुख्यमंत्री के सलाहकार राजेश तिवारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

ब्लड बैंक से सिकलिंग का इलाज हुआ आसान

सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य अधोसंरचना को लगातार बेहतर करने के नतीजे जमीनी स्तर पर दिखने लगे हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता पर मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से पूछा। बिंदु कामड़े ने बताया कि मेरा बेटा तीन साल से सिकलिंग बीमारी से ग्रसित है। अंतागढ़ अस्पताल में सरकार ने ब्लड बैंक खुलवा दिया है और मुझे डॉ. खूबचंद बघेल योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य सहायता कार्ड भी मिल गया है जिससे नि:शुल्क ब्लड बेटे के लिए मिल जाता है। बुजुर्ग जेतराम बघेल ने कहा कि रविवार को बाजार लगता है जब भी दिक्कत आती है वहां जांच करा लेता हूँ। यह बढ़िया सुविधा सरकार ने आरंभ की है। कुमारी उईके ने बताया कि हाट बाजार वाली नीली गाड़ी आती है और इलाज भी मुफ्त में हो जाता है और दवा भी मुफ्त में मिल जाती है।

जैविक खाद बेचकर कमाये 80 हजार रुपए

पोड़गांव की लक्ष्मी गावड़े ने बताया कि उनका समूह गौठान में जैविक खाद बना रहा है। अब तक 180 क्विंटल खाद बेच चुके हैं और इसके माध्यम से 80 हजार रुपए तक लाभ कमा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौठानों को आजीविकामूलक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। जैसे जैसे आपकी गतिविधियों का विस्तार होता जाएगा। समूह की आय बढ़ती जाएगी।

कका ऑन एक्शनः जनता की मांग पर मुख्यमंत्री ने की ऑन द स्पॉट घोषणा

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एक्शन में दिखे, वो भी फैसला ऑन द स्पॉट की तर्ज पर। मौका था पखांजुर में भेंट मुलाकात का। हुआ यूं कि पखांजुर में आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बघेल आम-जनों से सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी जानकारी ले रहे थे। कार्यक्रम में आये युवा सोमेन मंडल को बोलने का मौका मिला और युवक ने मुख्यमंत्री से अपने शहर की समस्यायें बताई। सोमेन ने बताया कि 15 साल पहले पखांजुर के एक मात्र स्टेडियम का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम से बदलकर पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर कर दिया गया है। युवक ने बताया कि पखांजुर की बांग्ला बाहुल्य जनता इस स्टेडियम का नाम फिर से नेताजी के नाम पर कराना चाहती है। उपस्थित लोगों ने भी जम कर ताली बजा कर युवक की बात का समर्थन

किया। मुख्यमंत्री बघेल ने जन अपेक्षाओं का सम्मान करते हुए तत्काल ही स्टेडियम का नाम फिर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर करने की घोषणा कर दी।

युवक सोमेन मंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि क्षेत्र में परलकोट जलाशय पर खेरकट्टा बांध बना है, पर बांध की स्थिति ठीक नही है। बांध की मरम्मत और जीर्णोद्धार की जरूरत है। बांध के जीर्णोद्धार से क्षेत्र के कई गाँवों में पानी और सिंचाई की सुविधा मिल जाएगी। मुख्यमंत्री बघेल ने इस बार भी तत्काल निर्णय लिया और परलकोट जलाशय के गहरीकरण तथा खेरकट्टा बांध के जीर्णोद्धार को मंजूरी दे दी। श्री बघेल ने इसके साथ ही पखांजुर में एग्रीकल्चर कालेज खोलने, चार किलोमीटर गौरव पथ बनाने और सभी पात्र लोगो के राशन कार्ड बनाने विशेष शिविर लगाने की भी घोषणा कर दी।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटरप्यूरीफायर के विक्रेता व सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट कैम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

• जीन्स
• टी-शर्ट
• शर्ट
• ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
	फुल	हाफ
वेज मोमोस	40/-	20/-
मनचुरियन मोमोस	50/-	30/-
पनीर मोमोस	60/-	30/-
मोमोस-10, 20 और 30 रु. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

विश्व पर्यावरण दिवस

क्यों मनाया जाता है विश्व पर्यावरण दिवस? यह है इतिहास

हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। विश्व के देश आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं लेकिन इस राह में दिनों दिन दुनियाभर में ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ गया है और इस तरह से लोग जीवन जी रहे हैं, जिससे पर्यावरण खतरे में हैं। इंसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ इंसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है, जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं, जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं, साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन लोगों को पर्यावरण के प्रति सचेत किया जाता है और पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस हर साल जून महीने में मनाया जाता है। दुनियाभर के तमाम देश 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाते हैं। इस साल भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए भारत समेत कई देशों में 5 जून को पर्यावरण मनाया जा रहा है।

पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत कब हुई

पहली बार पर्यावरण दिवस की शुरुआत 1972 में हुई थी। इस दिन की नींव संयुक्त राष्ट्र संघ ने 5 जून 1972 को रखी थी। इसी के बाद से हर साल लगातार 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाने लगा। भले ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का फैसला किया हो लेकिन पर्यावरण दिवस को सबसे पहले स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में मनाया गया। 1972 में स्टॉकहोम में पहली बार पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें 119 देशों में हिस्सा लिया था।

पर्यावरण दिवस मनाने का उद्देश्य

दुनिया में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। इसी बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति पर खतरा बढ़ रहा है। जिसे रोकने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत हुई, ताकि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाए और प्रकृति को प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

भारत में पर्यावरण संरक्षण पर कानून

भारत भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर है। इसी कारण पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत ने कानून बनाया है। इसके तहत 19 नवंबर 1986 में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। जब पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा था तो भारत में भी पर्यावरण दिवस मनाया। उस समय देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं, जिन्हें पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित कार्यक्रम में प्रकृति के प्रति अपनी चिंताओं को जाहिर किया।

पर्यावरण दिवस की थीम

विश्व पर्यावरण दिवस 2022 की थीम ' 'Only One Earth'' यानी केवल एक पृथ्वी है। इस थीम के आधार पर 'प्रकृति के साथ सद्भाव में रहना' पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

बढ़ते जल-वायु प्रदूषण से कई तरह की बीमारियों का खतरा

पिछले दो-तीन दशक के आंकड़ों पर नजर डालें को साफ हो जाता है कि कई कारणों से पर्यावरण को गंभीर रूप से क्षति पहुंची है। तेजी से बढ़ते रसायनों-कीटनाशकों के उपयोग ने न केवल हवा, बल्कि पानी और भोजन को भी दूषति कर दिया है। पर्यावरण संबंधी बढ़ती इन दिक्कतों ने हमारी सेहत को भी गंभीर रूप से क्षति पहुंचाई है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो जल-वायु प्रदूषण के कारण पिछले एक दशक में कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के मामले काफी अधिक बढ़ गए हैं। इस तरह के प्रदूषण का सीधा असर हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, जिसके कारण लोगों में तंत्रिका विकारों के साथ कैंसर जैसे कई तरह की गंभीर रोगों के मामले काफी बढ़ गए हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि वायु प्रदूषण सीधे हमारे फेफड़ों और श्वसन तंत्र को नुकसान पहुंचाते हुए कई तरह की गंभीर बीमारियों के जोखिम को काफी बढ़ा देता है। वहीं जल प्रदूषण के कारण हैजा, कालरा, हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारियों के मामले सामने आते रहे हैं।

प्रदूषण के कारण बढ़ते मौत के मामले

द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ में प्रकाशित एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि तमाम तरह के प्रदूषण के कारण साल 2019 में लगभग नौ मिलियन से अधिक (90 लाख) मौतें हुईं। यह दुनिया भर में होने वाले हर छह में से एक की मौत के बराबर है। भारत में भी स्थिति काफी चिंताजनक है। द लैंसेट की एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक साल 2019 में जहरीली हवा ने 1.67 मिलियन भारतीयों की जान ली, यह इस साल होने वाली कुल मौतों का 18 फीसदी है।

जल प्रदूषण के कारण होने वाली बीमारियां

जल प्रदूषण, वैश्विक स्तर पर वर्षों से गंभीर खतरा बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक विश्व स्तर पर 2 बिलियन से अधिक लोग दूषित पेयजल स्रोत का उपयोग करने को मजबूर है। यह कई प्रकार की गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। दूषित और खराब जल से हैजा, दस्त, पेचिश, हेपेटाइटिस ए, टाइफाइड और पोलियो जैसी बीमारियों के संचरण का खतरा अधिक रहता है।

वायु प्रदूषण और इससे होने वाली बीमारियां

डब्ल्यूएचओ का अनुमान है वायु प्रदूषण के कारण हर साल 4.2 मिलियन लोग समय से पहले मौत के शिकार हो जाते हैं। वायु प्रदूषण से होने वाली सबसे आम बीमारियों में इस्केमिक हृदय रोग, स्ट्रोक, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी), फेफड़ों का कैंसर और बच्चों में अक्यूट लोअर रेस्पोरेटरी इंफेक्शन हैं। वायु प्रदूषण के कारण मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जो स्ट्रोक का खतरा बढ़ा देती है।

पर्यावरण संरक्षण में भारतीय महिलाओं का योगदान

चिपको आंदोलन में निभाई अहम भूमिका

5 जून को हर साल विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन की शुरुआत पकृति संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हुई थी। भारत में भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों की आवाज दशकों पहले उठी, जब पेड़ों को बचाने के लिए चिपको आंदोलन की शुरुआत हुई। चिपको आंदोलन को 49 साल हो चुके हैं। भारत की महिलाएं जो देश की आजादी के लिए जान गंवाने से भी पीछे नहीं हटीं, उन्हीं महिलाओं ने आजाद भारत के बिगड़े पर्यावरण को बचाने, प्रकृति की रक्षा के लिए चिपको आंदोलन को एक ईको-फेमिनिस्ट आंदोलन का रूप दिया। इस आंदोलन का पूरा ताना-बाना महिलाओं ने ही बुना था। चिपको आंदोलन में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही। उनकी सक्रियता और भागीदारी के कारण उस दौर में सकारात्मक असर देखने को मिला। कुछ शब्दों में कहें तो चिपको आंदोलन का नेतृत्व महिलाओं ने किया था, ये कहना गलत नहीं होगा। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर जानिए भारत में उत्तराखंड में साल 1973 में शुरु हुए चिपको आंदोलन में महिलाओं की भूमिका के बारे में।

कब और कैसे हुई चिपको आंदोलन की शुरुआत

चिपको आंदोलन जंगलों और पेड़ों की कटाई से जुड़ा है। इसकी पृष्ठभूमि उत्तराखंड की है, जहां के वनों की सुरक्षा के लिए 1970 के दशक में लोगों ने आंदोलन शुरू किया इस दौरान लोग पेड़ों को गले लगाकर उन्हें कटने से बचाया करते थे। इसे मानक और प्रकृति के बीच के प्रेम का प्रतीक मानते हुए चिपको आंदोलन नाम दिया गया। 26 मार्च 1974 को उत्तराखंड के चमोली जिले में ढाई हजार पेड़ों की नीलामी के बाद ठेकेदार ने मजदूरों को पेड़ काटने के लिए जंगल में भेजा लेकिन उनका सामना रैणी गांव की महिलाओं से हुआ, जो कटाई रोकने के लिए पेड़ों से चिपक गईं। उन्होंने कहा कि पेड़ों का काटने से पहले उन्हें काटा जाएं। उनकी इस निडरता की गूंज पूरे भारत में सुनाई दी।

चिपको आंदोलन की जननी

रैणी गांव से शुरू हुए चिपको आंदोलन का नेतृत्व करने वाली एक महिला थीं, जिनका नाम गौरा देवी था। गौरा देवी को चिपको आंदोलन में शामिल होने वाली पहली महिला माना जाता है, जिन्होंने 27 महिलाओं का नेतृत्व कर मजदूरों को पेड़ काटने से रोका था।

इसी तरह राजस्थान में चिपको आंदोलन का नेतृत्व करने वाली एक महिला थीं। सामाजिक कार्यकर्ता वंदना शिवा की किताब 'स्टेइंग अलाइव: वीमेन इकोलॉजी एंड सर्वाइवल इन इंडिया' में चिपको आंदोलन का जिक्र है, जिसमें लिखा गया है कि राजस्थान में बिश्नोई समुदाय के तीन सौ से ज्यादा लोगों ने पेड़ों को बचाने के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। राजस्थान में अमृता देवी नाम की महिला ने पेड़ों को कटने से बचाने के लिए चिपको आंदोलन का नेतृत्व किया था।

चिपको आंदोलन में शामिल महिलाएं

भले ही चंडी प्रसाद भट्ट और सुंदरलाल बहुगुणा जैसे लोगों ने चिपको आंदोलन में मुख्य और सक्रिय भूमिका निभाई हो लेकिन देश की महिलाओं ने इस आंदोलन की जमीन तैयार की। इस आंदोलन का सफल बनाया। चिपको आंदोलन में उत्तराखंड की गौरा देवी और राजस्थान की अमृता देवी के अलावा कई अन्य महिलाओं का भी योगदान हैं, जिनके बारे में कम ही लोग जानते हैं। इनमें गांधी जी की शिष्या मीरा बेन, सरला बेन, बिमला बेन, हिमा देवी, गंगा देवी, बचना देवी, इतवारी देवी, छमुन देवी का नाम शामिल है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Pankaj Mobile
Tata Play Connection Available
All Accessories & General Electricals Items
All Types Recharge & DTH, FastTag Recharge
Pankaj Umbre-
Mo.- 9993240894, 7987806710
Shop No.- 4, Jugnu Dera Complex, Adarsh Nagar, Potia Road, Durg (C.G.)

SHRI SAI COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS XI XII B.COM CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

कलश ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषण के निर्माता एवं विक्रेता
हमारे यहां उचित ब्याज पर गिरवी रखी जाती है।
देवांगन होटल के बाजू में, मुक्तिधाम रोड, रामनगर, भिलाई, जिला-दुर्ग
9074621825

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

सीमित साधानों के बावजूद आयकर अपीलीय अधिकरण का कार्य सराहनीय - केन्द्रीय मंत्री किरन रिजेजू

रायपुर। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरन रिजेजू ने आज, 04 जून, 2022 को अटल नगर, नया रायपुर में स्थित केन्द्रीय सचिवालय भवन में आयकर अपीलीय अधिकरण, रायपुर पीठ के नये कार्यालय परिसर का उदघाटन करते हुए कहा कि सीमित साधानों ने बावजूद आयकर अपीलीय अधिकरण ने सराहनीय कार्य किया है । उन्होंने बताया कि न्यायालयों में आज लगभग पांच लाख केस लंबित हैं, लेकन अपीलीय अधिकरणों की वजह से लंबित केसों में काफी कमी आई है, यह सराहनीय कार्य है । उन्होंने कहा कि अदालतों में लंबित केस चिंता का विषय हैं, लेकिन वहीं दूसरी ओर यह भी इशारा करती हैं कि देश में काम हो रहा है और इसीलिए नए केस भी बढ़ रहे हैं । उन्होंने कहा कि लोगों को न्याय त्वरित गति से और स्थानीय भाषा में मिलनी चाहिए ताकि लोग उसे आसानी से समझ सकें। उन्होंने कहा कि इसके लिए अदालतों और अपीलीय अधिकरणों में अनुवादकों की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए ।

शिक्षा सत्र की शुरूआत से ही शिक्षा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें : कलेक्टर

राजनांदगांव। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने शासकीय डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसंतपुर के शहीद विनोद चौबे मेमोरियल ऑडिटोरियम में नए शिक्षा सत्र की तैयारी के संबंध में सभी विकासखंडों के प्राचार्यों एवं बीईओ की समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर ने अधिकारियों को शिक्षा सत्र की शुरूआत से ही शिक्षा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए स्कूलों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूल संचालित होने से पूर्व कक्षाओं की साफ-सफाई एवं बच्चों की बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने यू डाइस एंट्री की समीक्षात्मक चर्चा करते हुए कहा कि जिन शालाओं ने अब तक एंट्री नहीं की है, उन्हें शीघ्र पूरा करने के लिए कहा। यदि कोई शाला जर्जर अवस्था में है, तो अभी से वैकल्पिक व्यवस्था कर ली जाए। कलेक्टर ने शालाओं में पूर्ण, अपूर्ण कार्यों, साग-भाजी उत्पादन कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राष्ट्र आज वर्तमान ही नहीं भविष्य में पैदा होने वाले संतानों की भी चिंता करता है - स्मृति ईरानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्र आज वर्तमान ही नहीं भविष्य में पैदा हाने वाले संतानों की भी चिंता करता है, यह बात केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीश्रीमती स्मृति ईरानी ने आज महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की आठ साल की उपलब्धियों की समीक्षा के लिए रायपुर में आयोजित जोनल और सब-जोनल मीटिंग में कही। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत ढाई करोड़ महिलाओं को 10 हजार करोड़ रूपए से अधिक की धनराशि सीधे उनके बैंक खातों में उलब्ध करायी गयी है ताकि माताएं गर्भावस्था के दौरान जांच, टीकारण के लिए जब

भी अपने काम अथवा व्यवसाय से अवकाश लेकर अस्पताल जांए तो उनको प्रोत्साहन मिल सके । राष्ट्र, वर्तमान में गर्भवती माताओं की ही नहीं, अपितु भविष्य में उत्पन्न होने वाले संतानों की भी चिंता करता है ।

सभा में उपस्थित महिला प्रतिभागी बबिता की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि जब देश और समाज अपनी संस्कार अपनी सभ्यता के कारण सार्वजनिक रूप से महिलाओं के मासिक धर्म पर चर्चा नहीं करता था, वहां बबिता जैसी स्वयंसेवी महिलाएं अपने गांवों में और अपने समाज में जाकर खुलकर मासिक धर्म की चर्चा कर रही हैं और समाज को जागरूक कर रही हैं । बेटियों का बेखौफ होकर बोलना ही हमारी 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं' की सबसे बड़ी सफलता है।

केन्द्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी ने जब लालकिले की प्राचीर से कहा था कि जनऔषधि केन्द्रों से एक रूपए में प्रति सेनेटरी पैड उपलब्ध कराएंगे, तो आज हम सभी माताओं और बहनों को मासिक धर्म की सुरक्षा के लिए उनके संकल्प अनुसार सेनेटरी पैड उपलब्ध करवा पा रहे हैं । उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी को जानकर हैरानी होगी कि वर्ष 1970 लेकर 2018 तक आंगनवाड़ी केन्द्रों में पोषणता की जांच करने के लिए कोई ग्रोथमॉनिटरिंग डिवाइस उपलब्ध नहीं था । प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी अभिनंदन के पात्र हैं जिन्होंने न केवल वर्ष 2018 में पोषण अभियान की शुरूआत की बल्कि सभी आंगनवाड़ियों में मोबाइल/ग्रोथमॉनिटरिंग डिवाइस की सुविधा उपलब्ध करायी ताकि सभी माताओं और बच्चों के पोषण संबंधी जानकारियों को संकलित किया जा सके । केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि यह हर्ष का विषय है कि वर्ष 2018 से अब तक लगभग 01 करोड़, 80 लाख बच्चों का डेटा, देशभर के 14 लाख आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से ट्रैक किया जा चुका है । आंगनवाड़ियों की दीदियों, केन्द्र और राज्य के सभी संस्थाओं का हार्दिक आभार है, जिन्होंने पोषण को एक जनआंदोलन बना दिया। छत्तीसगढ़ की बेटी याशी की चर्चा करते हुए कहा कि याशी ने अपने संकल्प से हिमालय की सबसे ऊंची चोटी पर फतह हासिल की । याशी, छत्तीसगढ़ मतलब नक्सलवाद, इस गलत धारणा को वह बदलना चाहती थी । इसी संकल्प ने ही आज याशी को 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं की ब्रांड एम्बेसडर बना दिया है । श्रीश्रीमती स्मृति ईरानी ने बताया कि सरकार ने 9500 करोड़ का फण्ड, बेटियों की सुरक्षा के लिए आवंटित किया है ।

खुर्सीपार में दया सिंह शुरू किया पार्षद आपके द्वार अभियान

वार्ड-44 के लोगों से दया ने की मुलाकात, हर दूसरे व्यक्ति ने बताई पानी की समस्या

- वार्ड-44 लक्ष्मीनारायण वार्ड के लोगों ने दया को बताई अपनी समस्या
- पानी की समस्या के लिए खुर्सीपार जोन ऑफिस का किया जा सकता है घेराव
- पाइप लाइन बिछाई गई मगर पानी नहीं, लोगों में निगम प्रशासन के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश
- यादव पारा में दया ने तत्काल मंगवाया टैंकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लोगों की मदद और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए भाजपा पार्षद दया सिंह ने शहर में अपनी पहचान बना ली है। अब तक हर रविवार को जनता दर्शन लगाया जाता रहा है। पांच सप्ताह बाद इसका स्वरूप और नाम बदलकर पार्षद आपके द्वार किया गया है। आज भाजपा पार्षद दया सिंह ने पार्षद आपके द्वार अभियान के तहत वार्ड-44 लक्ष्मीनारायण वार्ड के लोगों से मुलाकात की। उनके इस मुलाकात के दौरान दया सिंह को लोगों ने समस्या बताई। अधिकांश लोगों ने पेयजल संकट से जुड़ी समस्या बताई।

दया ने बताया कि, नगर निगम प्रशासन ने वार्ड में पाइप लाइन तो बिछाई है लेकिन उसमें पानी नहीं है। बोरवेल्स सूख गए हैं। वाटरलेवल डाउन हो गया है। लगातार बोलने के बावजूद निगम के अधिकारियों ने इस दिशा में पहल नहीं की है। यादवपारा में लोगों ने बताया कि बोरवेल्स के पानी से कैमिकल युक्त पानी आ रहा है। दया ने तत्काल निगम से टैंकर मंगवाकर लोगों को राहत प्रदान की। ये पहला मौका नहीं है जब दया ने तत्काल लोगों की समस्या को दूर किया हो। इससे पहले भी लगातार लोगों की समस्याओं का निपटारा कर रहे हैं। दया सिंह ने कहा कि, अगर वार्ड में पानी की समस्या का समाधान नहीं होता है तो 7 जून को नगर निगम के खुर्सीपार जोन ऑफिस का घेराव किया जाएगा। इसके लिए निगम के अधिकारी जिम्मेदार रहेंगे।

इस तरह की समस्याएं सुनने और देखने को मिली

- वार्ड-44 लक्ष्मीनारायण वार्ड में लोग समस्याओं का अंबार लगा दिए।
- यादव पारा में पानी की समस्या देखने को मिली। वहां पानी की सप्लाई नहीं के बराबर हो रही है।
- बोरवेल्स का वाटरलेवल डाउन हो गया है।
- सफाई कर्मचारी वार्ड में कम है, इसके लिए निगम के अधिकारियों से कहा कि वार्ड में पर्याप्त सफाई कर्मी होने चाहिए। दो दिन में लेबर बढ़ाने कहा है।
- वार्ड का बड़ा नाले का पुल टूट चुका है। जिसका मेंटेनेंस कराने कहा।
- बारिश से पहले सभी नालों की सफाई के लिए कहा है।

मंत्री मोहम्मद अकबर ने एक विपत्तिग्रस्त परिवार को 4 लाख रूपए का चेक वितरण किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के वन, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री व कवर्धा विधायक श्री मोहम्मद अकबर ने आज शनिवार को कबीरधाम प्रवास के दौरा कलेक्टोरेट कार्यलय के सभाकक्ष में 1 विपत्तिग्रस्त परिवार को 4 लाख रूपए चेक वितरण किया। वन मंत्री ने चेक वितरण करते हुए विपत्तिग्रस्त परिवार के सदस्यों से कहा कि वह इस चेक को बैंक में जमा कर राशि प्राप्त कर सकते है। चेक वितरण करते समय मंत्री श्री अकबर ने परिजनों से भेंट भी की और अपनी संवेदना प्रकट की।

कैबिनेट मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने शोक संतप्त परिवार से भेंट-मुलाकात करते हुए कहा कि किसी भी परिवार के लिए हर सदस्य का एक महत्वपूर्ण योगदान रहता है। परिवार का चाहे वह छोटा या बड़ा या घर का मुखिया हो अकास्मात रूप से परिवार को छोड़कर चले जाना उस परिवार के लिए एक अपूर्णिय क्षति होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार की अपूर्णिय क्षति को पूर्ति तो नहीं कर पाएंगे, लेकिन इस क्षेत्र के विधायक होने के नाते उन घर परिवारों के अभिभावक के रूप में हर परिस्थितियों में उनका साथ देने सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने विपत्तिग्रस्त परिवार के सदस्यों को हर संभव सहायता के लिए आश्वस्त किया।

मंत्री श्री अकबर द्वारा आबीसी-6-4 के तहत कवर्धा तहसील के ग्राम कवर्धा निवासी प्रेमिश की सरोधा नहर नाली में डुबने से मृत्यु हो जाने पर विपत्तिग्रस्त उमेश देव महानंद को राजस्व पुस्तक परिपत्र (आबीसी-6-4) के तहत 4 लाख रूपए का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा, पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेंद सिंह, डीएफओ चूड़ामणि सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्रसंदीप कुमार अग्रवाल, कवर्धा नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष जमील खान, कलीम खान, पार्षद मोहित महेश्वरी, अशोक सिंह, प्रमोद लुनिया, सुनील साहू, एल्डरमेन श्री कौशल कौशिक, मुकुंद माधव कश्यप, राजेश शुक्ला, राजकुमार तिवारी, प्रशांत परिहार, मनोज दुबे, गोरे चंद्रवंशी सहित जनप्रतिनिधि प्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि मोहम्मद अकबर जब से विधायक और मंत्री बने है, तब से प्राकृतिक आपदा के सभी प्रकरणों पर तत्परात से कार्यवाही की जा रही और विपदाग्रस्त परिजनों, हितग्राहियों को आर्थिक सहायता राशि शीघ्रता से मिल रही है। जितने भी प्रकरण हुए है उनके विपत्तिग्रस्त परिवार के सदस्यों को कठनाईयों को समना करना ना पड़ें इसलिए इस तरह के सभी प्रकरणों को शीघ्रता निराकरण करने के निर्देश दिए है।

मुख्यमंत्री ने अमर शहीद गैंदसिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज प्रदेशव्यापी भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत पखांजूर में शहीद गैंद सिंह स्मारक भवन परिसर में स्वतंत्रता संग्राम में बस्तर एवं छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद माने जाने वाले तथा बस्तर के युवाओं में क्रांति के बीज बोने वाले अमर शहीद गैंदसिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अमर बलिदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने मां दन्तेश्वरी के छायाचित्र की पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की ।

समाज प्रमुखों ने भेंट की

उल्लेखनीय है कि सप्तमाड़िया राज्यों में सम्मिलित तथा बस्तर की सबसे प्राचीन राजधानी माने जाने वाले परलकोट के जमीदार एवं भूमिया राजा की उपाधि प्राप्त गैंदसिंह द्वारा न्याय प्रियता, साहस एवं उदारता के साथ प्रजापालक के रूप में लोगों की सेवा बस्तर में शासन करने वाले माराठा शासकों के अधीन किया जाता था, परन्तु सन् 1818 में मराठों एवं अंग्रेज सरकार के मध्य युद्ध के परिणाम स्वरूप हुई संधि के साथ बस्तर के लोगों पर हो रहे दोहरे शोषण के विरूद्ध उन्होंने 1824 में विद्रोह प्रारंभ कर दिया। जिसमें उनका साथ अबूझमाड़ के वनवासियों द्वारा धनुष एवं बाण के साथ छापामार युद्ध में दिया गया। इस विद्रोह में धौरा वृक्ष के टहनियों को संकेत एवं संदेश बनाकर उन्होंने प्रयोग किया। शहीद गैंदसिंह द्वारा बस्तर में सितरम (परलकोट) में सुंदर महल का निर्माण भी कराया था, जिसके अवशेष आज भी देखे जा सकते हैं। एक वर्ष तक चले सुनियोजित संघर्ष के पश्चात 10 जनवरी 1825 को गैंदसिंह को गिरफ्तार कर उन्हीं के महल के सामने अंग्रेजी सरकार द्वारा 20 जनवरी 1825 को फांसी दे दी गई थी।

मुख्यमंत्री के आगमन पर नर्तक दल द्वारा मनमोहक मांदरी नृत्य, बालिकाओं द्वारा हल्बी नृत्य और महिलाओं ने धनकुल गीत प्रस्तुत कर मुख्यमंत्री का अभिनन्दन किया । साथ ही आदिवासी समाज के प्रमुखों ने पगड़ी पहनाकर मुख्यमंत्री को सम्मानित किया । उन्होंने मुख्यमंत्री को पारम्परिक वाद्ययंत्र 'तोड़ी' भेंट किया। कार्यक्रम स्थल में उपस्थित आदिवासी महिलाओं ने मुख्यमंत्री को हाथ से कूटा चिवड़ा और वनोपज तेंदू, चार तथा नागर कांदा, कोचई कांदा, डांग कांदा और केऊ कांदा भेंट किये। मुख्यमंत्री ने भेंट स्वरूप मिले उपहारों के लिए सभी का धन्यवाद किया और कहा खूब खाया है केऊ कांदा ।

गौरतलब है कि धनकुल हल्बा समाज की महिलाओं द्वारा गाया जाने वाला पारम्परिक लोकगीत है। धनकुल गीत तीजा पर्व, फसल कटाई, फसल बुआई जैसे खुशी के अवसरों पर गाया जाता है। यह अलिखित महाकाव्य है, जिसकी प्रस्तुति लम्बी अवधि तक दी जा सकती है। इस गीत की खासियत है कि इसमें मिट्टी की हांडी, सूपा, धनुष, पैरा से बनी घिरनी, खिरनी काड़ी जैसी दैनिक जीवन मे उपयोग की जाने वाली वस्तुओं का वाद्ययंत्र के रूप में उपयोग किया जाता है। देवी देवताओं के आह्वान से धनकुल गीत की शुरुआत की जाती है।

मितानिन एवं बालिकाओं का किया गया सम्मान, सुशासन के 8 वर्ष पूर्ण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी जिला दुर्ग की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, छत्तीसगढ़ पोषण अभियान समिति, महिला मोर्चा एवं मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा आज वार्ड 33 शिवपारा में मितानिनो का सम्मान एवं बालिकाओं को सैनिटरी नैपकिन वितरण का कार्य किया गया।

इस अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जिला प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ पोषण अभियान समिति के सदस्य अजय तिवारी ने उपस्थित जनों को बताया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने 8 वर्ष के सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित सरकार के द्वारा किस प्रकार आम जनों को राहत और सुविधाएं मुहैया कराई हैं और जनजागृति पैदा की है। आप जानते हैं कि पहले माताओं को भोजन बनाने के लिए लकड़ी और कोयले का सहारा लेना पड़ता था लेकिन आज उज्जवला गैस कनेक्शन की व्यवस्था हो जाने के बाद हर घर में गैस पर माताएं भोजन बनाती हैं। इसी प्रकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के माध्यम से कन्याओं के संरक्षण और संवर्धन मैं एक क्रांति देखने को मिल रही है साथ ही स्वच्छ भारत अभियान आज प्रत्येक नागरिक स्वच्छता के प्रति जागरूक हो गया है। इस प्रकार सेवा के कार्यों के सफलतम 8 वर्ष पूर्ण होने पर हम सभी आपके बीच में उपस्थित हुए हैं।

महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती बानी सोनी ने उपस्थित माताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के 8 वर्ष पूर्ण रूप से महिलाओं के लिए समर्पित रहे हैं। आज हम जो नैपकिन का वितरण करने जा रहे हैं यह किस प्रकार सस्ते रूप में हमारी माताओं बहनों को उपलब्ध हो इसके लिए प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की स्थापना प्रधानमंत्री ने की है।

अरिहंत इंटेरियर्स
वॉलपेपर, वुडन फ्लोरिंग, पीवीसी फ्लोरिंग विंडोव ब्लाइंड्स, एक्रीलिक रेलिंग, आर्टिफिसियल ग्रास, पीवीसी पैनल, ग्लास फिल्म
शॉप नं.-23, नेहरू रोड, सुपेला, भिलाई, 9584400900

YOGESH COMPUTER Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware CCTV Camera Networking Software
Yogesh Sirame Mo-9893342971 7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing Printer Desktop
7/2, Dakshin Gangotri, Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone, Samsung, MI, Oppo, Vivo, Nokia, HTC, Blue tooth Charger, Power Bank, Ear Phone, BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

युवती को भगाने का आरोप लगाकर चाकू व लाठी से हमला, छह घायल

बिलासपुर (ए)। युवती को भगाने का आरोप लगाकर स्वजनों ने घर में घूसकर युवक के स्वजन पर चाकू, राड व लाठी से जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट से छह लोगों के गंभीर चोट लगी है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पचपेड़ी पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ बलवा के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। ग्राम सुकुलकारी के रहने वाली सावित्री खरे मजदूरी करती हैं। चार माह पहले वे अपने परिवार समेत आंध्रप्रदेश के ईंट भट्ठा काम करने गई थीं। साथ में ग्राम भनेसर के रहने वाला राजेश्वर पाटले भी अपने परिवार समेत गया था। काम करने के दौरान सावित्री के बेटा और राजेश्वर की बेटी के साथ शादी करने की बात हुई। दोनों परिवार तैयार हो गए। आंध्रप्रदेश से दोनों परिवार दस दिन पहले अपने-अपने गांव आ गए। इस बीच सावित्री के पति राजू खरे ने राजेश्वर पाटले को फोन कर सगाई के बारे में पूछताछ किया। तब राजेश्वर पाटले ने अपनी बेटी की शादी उनके साथ करने से मना कर दिया। इस बीच राजेश्वर की बेटी अचानक घर से गायब हो गई। रविवार को सुबह सावित्री अपनी दोनों बेटियों के साथ घर पर थी। सुबह 11 बजे राजेश्वर पाटले, पिंटू पाटले, सरोजनी समेत अन्य तीन चार लोग घर के अंदर घुस आए। सभी लाठी, राड व चाकू रखे थे। राजेश्वर पाटले ने अपनी बेटी को भगाने का आरोप लगाकर गाली-गलौज करने लगा। तब सावित्री ने मना किया। इसके बाद राजेश्वर और उनके साथियों ने राड, लाठी से मारपीट शुरू कर दी। आवाज सुनकर सावित्री के स्वजन बीच-बचाव करने पहुंचे। तब आरोपितों ने चाकू व लाठी से हमला कर दिया। इससे सावित्री और उनके दोनों बेटी, देवर प्रमोद खरे, भानू प्रताप खरे, कका ससूर मीना खरे को चोट लगी है। घटना के बाद सभी आरोपित फरार हो गए हैं। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है।

चरित्र शंका पर शराबी ने पत्नी पर फेंका अंगार, महिला झुलसी

बिलासपुर (ए)। चरित्र शंका को लेकर शराबी ने अपनी पत्नी से मारपीट की और चूल्हे का अंगार उसके ऊपर फेंक दिया। इससे महिला का पैर झुलस गया है। पीड़िता की शिकायत पर तोरवा पुलिस ने पति के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। देवरीखुर्द जेबीसी स्कूल के पास रहने वाली आकांक्षा साहू की शादी जनवरी 2022 को विजयकांत साहू के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई थी। शादी के एक माह दोनों अच्छे रहे। मार्च में महिला होली मनाने के लिए मयके कोरबा चली गई थी। होली से पहले उसका पति भी पहुंच गया और चरित्र पर शंका करते हुए जबरन ले आया। तब से शराब पीकर विजयकांत साहू आए दिन मारपीट करता है। उनके माता-पिता से भी बात करने नहीं देता है। गुस्से में मोबाइल को तोड़ भी दिया। दो जून की सुबह नौ बजे महिला चूल्हा में खाना पका रही थी। उसी समय विजयकांत शराब पीकर आया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। चिमटी से चूल्हे से जलती अंगारा निकालकर अपनी पत्नी के पैर पर फेंक दिया। इससे पैर झुलस गया।

शराबी युवक ने पत्नी को जमकर पीटा, जुर्म दर्ज

बिलासपुर (ए)। शराबी युवक अपनी पत्नी के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने पर बच्चों की भी पिटाई कर दी। घायल महिला ने इसकी शिकायत सीपत थाना में की है। पुलिस ने आरोपित पति के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। ग्राम नवाडीह सीपत के रहने वाली लक्ष्मी बाई धीवर नवाडीह चौक में नाश्ते का ठेला लगाती हैं। उनकी शादी 20 साल पहले नवाडीह के शिवचंद धीवर से हुई थी। उनके एक बेटा व दो बेटी हैं। शादी के कुछ साल बाद शिवचंद शराब पीने लगा। नशे में आए दिन पत्नी लक्ष्मी व बच्चों के साथ गाली-गलौज और मारपीट करता है।

शुक्रवार की रात 9.30 बजे लक्ष्मी दुकान बंद कर अपने घर चली गईं। बच्चों के साथ खाना खाकर सोने की तैयारी कर रही थीं। इसी दौरान शिवचंद शराब पीकर घर पहुंचा और जबरन गाली-गलौज करने लगे। लक्ष्मी ने गाली देने से मना किया और खाना खाकर आराम करने के लिए कहा। इस पर शिवचंद गुस्से में आ गया और मुक्के से मारपीट करने लगा।

बस्तर में मां की हत्या कर बेटे ने दी जान

छोटे भाई-बहन पर भी किया हमला, दोनों की हालत गंभीर, पुलिस ने घर किया सील

जगदलपुर (ए)। बस्तर जिले में शनिवार देर रात पारिवारिक विवाद के चलते परिवार में खूनी संघर्ष हो गया। बड़े बेटे ने गुस्से में अपनी मां और छोटे दो भाई-बहन पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में मां की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दोनों छोटे भाई-बहन गंभीर रूप से घायल हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद भी जहर खाकर जान दे दी। बताया जा रहा है कि, घायलों को मेकाज में भर्ती किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मामला कोड़ेनार थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, तोकापाल ब्लॉक के आरापुर के रहने वाले सुरेंद्र कच्छ का अपनी मां राधिका कच्छ और छोटे भाई-बहन कृष्णा और सरिता कच्छ के साथ किसी बात को लेकर शनिवार की रात विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि सुरेंद्र ने धारदार हथियार से अपनी मां के ऊपर हमला किया। जिससे मां की मौके पर ही मौत हो गई। मां को मारने के बाद दोनों छोटे भाई-बहन पर भी धारदार हथियार से वार कर अधमरा कर दिया। दोनों बेहोश हो गए थे।

वारदात को अंजाम देने के बाद सुरेंद्र ने जहर खा कर सुसाइड कर लिया। जब घायलों को होश आया तो रात में ही इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे जवानों ने दोनों घायलों को मेडिकल कॉलेज भिजवाया, जहां दोनों का उपचार चल रहा है। एसडीओपी ऐश्वर्य चंद्राकर ने बताया कि, सरिता बोलने की स्थित में है। बयान दर्ज किया जा रहा है। साथ ही घर को सील कर दिया गया है। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची है, जांच की जा रही है। जांच के बाद ही इस पूरे मामले की जानकारी मिल पाएगी।

वैवाहिक कार्यक्रम में एसिड अटैक, चार लोगों पर फेंका तेजाब, आरोपी गिरफ्तार

धमतरी (ए)। आपसी लड़ाई से आक्रोशित दो युवकों ने शादी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे तीन से चार लोगों पर एसिड फेंककर व दांत से काटकर हमला कर दिया। इस हमले से तीन से चार लोग झुलस गए हैं। थाना में रिपोर्ट के बाद पुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। दुगली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दो जून को ग्राम दिनकरपुर के प्रार्थी पुरुषोत्तम नेताम 19 वर्ष पुत्र नवल सिंह नेताम अपने भाई प्रताप नेताम व दोस्त देवराज नेताम, चंदभवन नेताम, रवि मरकाम, जगेश नेताम, रामप्रसाद मरकाम, हेमंत नेताम के साथ गांव में एक शादी कार्यक्रम के बाद रात करीबन 11 बजे गांव के तालाब की ओर शौच के लिए गए थे। तालाब किनारे गाली गलौज की आवाज आने पर सभी साथी पास गए, तो गांव के ही मोहन नेताम व भीखम मरकाम दो लड़कियों से गाली-गलौज कर रहे थे। जगेश नेताम ने इसे मना किया और मोहन नेताम को गाली गलौच क्यों कर रहे हो, कहकर थप्पड़ मार दिया। थप्पड़ मारने पर जगेश नेताम और मोहन नेताम दोनों आपस में झगड़ने लगा। पुरुषोत्तम व उनके साथी बीच-बचाव कर छुड़ाने लगे, तो मोहन नेताम ने प्रार्थी पुरुषोत्तम के भाई प्रताप नेताम के बाएं कान को दांत से काट दिया।

घर से लाया एसिड की बोतल

आरोपी मोहन नेताम का दोस्त भीखम मरकाम घर से कुछ लाता हूं, कहकर वहां से भाग गया । झगड़ा शांत होने के बाद सभी लोग अपने-अपने घर जाने लगे, तभी भीखम मरकाम अपने हाथ में एक बाटल एसिड लेकर आया और एसिड के बोतल को मोहन नेताम अपने हाथ में रखकर एसिड को शादी कार्यक्रम में आए लोगों पर फेंक दिया। एसिड से पुरुषोत्तम व उनके साथियों के शरीर के कुछ अंग कपड़ा सहित जल गए और जलन से दर्द होने लगा। सभी लोग जलन होने पर तालाब के पानी के कूद गए। घटना को अंजाम देकर आरोपित मोहन नेताम व भीखम मरकाम वहां से भाग गए। तालाब से निकलने के बाद सभी लोग अपने घर तरफ आये ओर प्रताप नेताम के कान को दांत से काटने से आई चोट का उपचार कराने नगरी अस्पताल ले गए। तीन जून को पुरुषोत्तम व उनके साथी दुगली थाना पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दुगली में मुलाहिजा कराया गया। मुलाहिजा मे डाक्टर द्वारा प्रार्थी व उनके साथियों को एसिड हमले से शरीर में गंभीर चोट तथा प्रताप नेताम के कान को दांत से काटने से गंभीर चोट आना बताए। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफजुर्म दर्ज किया।

एसिड की बोतल भी जब्त

दुगली थाना प्रभारी डीके कुर्रे पुलिस स्टाफ के साथ रात में ही आरोपितों के ग्राम दिनकरपुर रवाना हुए और दोनों को चार जून को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपितों से एसिड के बोतल को उनकी निशानदेही पर जब्त किया। गिरफ्तार आरोपितों में मोहन नेताम 21 वर्ष दिनकरपुर और भीखम मरकाम 19 वर्ष दिनकरपुर शामिल है। दुगली पुलिस ने दोनों आरोपितों को न्यायायिक रिमांड पर जेल भेजा दिया है। आरोपितों को पकड़ने में दुगली प्रभारी निरीक्षक डीके कुर्रे, प्रआर डोमार सिंह ध्रुव, मनाराम चंद्रवंशी, आरक्षक घनश्याम साहू, पेमन साहू, मनीष साहू, मानक साहू, सहायक आरक्षक गणेश्वर सोरी का विशेष योगदान रहा।

कार पलटने से 2 और ट्रक की टक्कर से 1 की मौत

महासमुंद (ए)। बसना थाना क्षेत्र के ग्राम पौंसरा एनएच - 53 के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। कार की स्पीड अधिक होने के कारण कई बार पलटी खाई, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार दो युवक का शव की मौत हो गई। दोनों का शव अलग-अलग जगह मिला। घटना शनिवार शाम चार बजे की बताई जा रही है। बसना थाना में पदस्थ एएसआई विजय मिश्रा ने बताया कि सड़क हादसे में ग्राम खेसा थाना पंचकोशी जिला जामनगर गुजरात निवासी हार्दिक भाई मोंगरा पिता चंदू भाई (33) व अंकित भाई भागरिया पिता अमोभाई भागरिया (33) की मौत हो गई। ये दोनों कार क्रमांक जीजे 03 जेआर 4260 में सरायपाली से रायपुर की ओर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि कार की स्पीड अधिक थी। ग्राम पौंसरा के पास पहुंचे थे कि उनकी कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे कई पलटी खा गई। बताते है कि कार का एयर बैग भी खुला, लेकिन कई बार कार के पलटने से सवार दोनों को गंभीर चोट आई, जिसे उनकी मौत हो गई।

इधर, भांजे को छोड़कर वापस लौट रहे ग्राम ओडार थाना पटेवा निवासी दशरू बरिहा (40) की शुक्रवार को सड़क हादसे में मौत हो गई। मेटाडोर के चालक ने लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए अपनी चपेट में ले लिया।

सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी जल संसाधन विभाग का अधिकारी गिरफ्तार

रायपुर (ए)। रायपुर की पुलिस ने जल संसाधन विभाग के सहायक अधीक्षक को गिरफ्तार किया है। इस अफसर पर लोगों से नौकरी के नाम पर ठगी करने का आरोप है। सरकारी विभागों में नौकरी लगवा देने की बात कहकर इसने कई लोगों को चूना लगाया है। अब इसे पकड़कर पुलिस पूरे कांड के बारे में पूछताछ कर रही है। खबर है कि कई सालों से अफसर इस काम को अंजाम दे रहा था। खुलासा तब हुआ जब पचपेड़ी नाका इलाके की एक महिला ने इसके खिलाफ शिकायत की। शादीशुदा महिला को अपने कुछ परिजनों से पता चला कि

जल संसाधन विभाग का एक अफसर रुपए लेकर सरकारी नौकरी लगवा देता है। महिला ने साल 2018 में अफसर डीपी गेडाम से मिली। महिला ने बताया कि परिवार का खर्च चलाने के लिए वो एक प्राइवेट संस्था में काम कर रही है मगर सरकारी नौकरी की उसे जरूरत है।

यह देखकर डीपी गेडाम ने कह दिया कि वो कई लोगों की सरकारी नौकरी लगवा चुका है। उसकी कई विभागों में जान-पहचान है। महिला ने उसकी बातों में यकीन कर लिया। डीपी गेडाम ने महिला से यहां तक कहा कि अगर वो किसी वजह से नौकरी नहीं लगवा सका तो ब्याज समेत रुपए लौटा देगा। महिला ने बातों आकर डेढ़ लाख रुपए दे दिए।

अब तक महिला को न नौकरी मिली ना ही रुपए। महिला ने बताया कि अफसर ने सिविल लाइंस स्थित अपने ऑफिस में बुलवाकर रुपए लेने के बाद कभी दो महीने बाद आओ कभी तीन महीने बाद आओ कहता रहा। फिर दावा किया कि चुनाव के बाद को पक्का नौकरी लगवा ही देगा। चुनाव खत्म हुए भी काफी वक्त हो गया। महिला रुपए या नौकरी मिल जाने की आस में किसी से अब तक कुछ नहीं कहा मगर अब महिला के सब्र का बांध टूट गया। उसने सिविल लाइंस थाने में शिकायत की। इसके बाद गेडाम को इस केस में गिरफ्तार कर लिया गया है।

चालकों को बंधक बना नक्सलियों ने वाहनों में लगाई आग

बीजापुर में सड़क निर्माण में लगी जेसीबी, बुलडोजर और ट्रैक्टर फूंके

बीजापुर (ए)। बीजापुर में शनिवार की रात माओवादियों ने एक बार फिर से जमकर उत्पात मचाया है। जिले के एक नक्सल प्रभावित इलाके में सड़क निर्माण के काम में लगी 4 वाहनों को आग के हवाले कर दिया है। इनमें एक 1 जेसीबी, 1 बुलडोजर और 2 ट्रैक्टर शामिल हैं। फिलहाल घटना की अधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। मामला जिले के आवापल्ली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मुर्दोण्डा के पोडियमपारा में सड़क निर्माण का काम चल रहा है। यह इलाका नक्सलियों का गढ़ है। शनिवार को दिनभर यहां काम चलता रहा। रात में निर्माण कार्य स्थल पर ही निर्माण कार्य में लगी वहानों को खड़ा कर दिया गया था। वाहनों के चालक भी वहीं पर मौजूद थे। इस बीच रात करीब 9 से 10 बजे के बीच जंगल की तरफ से भारी संख्या में हथियारबंद माओवादी पहुंचे और सभी चालकों को बंधक बना लिया।

फिर वाहनों के डीजल टैंक फोड़कर उसमें आग लगा दी। आगजनी की वारदात को अंजाम देने के बाद माओवादी बंधक बनाए चालकों को रिहा कर दिए। फिर सभी जंगल की तरफ लौट गए। बताया जा रहा है कि माओवादियों ने निर्माण काम बंद करने की धमकी भी दी है। इससे पहले भी कई दफा माओवादियों ने इलाके में सड़क निर्माण का काम न करवाने की चेतावनी भी दी थी।

अभनपुर में बदमाश की हत्या करने वाले चारों आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (ए)। थाना अभनपुर क्षेत्र में रंजिश के कारण चाकू से वार कर हत्या और जानलेवा हमला करने के चार आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित राजू बंजारे उर्फ राजू पठान, आकाश मरकाम, प्रकाश सोनी और आकाश बाघ को पुलिस ने हत्या और हत्या के प्रयास के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की।

प्रार्थी लक्ष्मण यादव ने थाना अभनपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ग्राम गातापार में रहता है तथा रोजी-मजदूरी करता है। दो जून की शाम करीब सात बजे प्रार्थी का भाई हरिशचंद्र यादव अपने साथी अर्जुन पटले तथा रविशंकर मानिकपुरी के साथ गातापार बड़ा तालाब मैदान की तरफ गया था। रात साढ़े नौ बजे वह लहूलुहान हालत में लौटा।

घर आकर उसने बताया कि रंजिश को लेकर राजू बंजारे और उसके छोटे भाई, फोलू कुर्रे, आकाश, प्रकाश सोनी और एक अन्य ने उसके साथ मारपीट की है। उसने बताया ये सभी दोपहिया वाहनों से आए और हत्या करने की नीयत से उसकी छाती में चाकू से वार करके भाग गए। वहीं आरोपितों ने हरिशचंद्र यादव को पकड़कर हत्या करने की नीयत से उसके शरीर पर चाकू से लगातार वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जांच के बाद पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मुक्तिांजलि चालक ने बाइक को मारी टक्कर, 4 घायल

महासमुंद (ए)। मुक्तांजलि वाहन की टक्कर से बाइक पर सवार 4 लोग घायल हो गए हैं। हादसे के बाद घायलों को पटेवा सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया। हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। इधर, पुलिस ने बाइक सवार की रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अुनसार ग्राम ठाना थाना आमगांव जिला गोदिंया महाराष्ट्र वर्तमान पिथौरा निवासी रवि सोनवानी उसका भाई करण सोनवानी व परिवार के जितेन्द्र रावत तीनों अपनी-अपनी बाइक से आरंग जाने के लिए निकले थे। करण सोनवानी अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 सीएक्स 7420 में था। वह अपनी पत्नी पूजा सोनवानी, लड़का आरूष सोनवानी व बेटी आरूषि सोनवानी के साथ ग्राम गड़बेड़ा से एनएच- 53 रोड होते आरंग जा रहे थे। दोपहर सुबह 11 बजे एनएच - 53 ग्राम छिन्दौली चौक के पास पहुंचे थे कि झलप से रायपुर की ओर जा रही मुक्तांजलि वाहन क्रमांक एमपी 09 एडी 0339 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए करन सोनवानी की बाइक को टक्कर मार दी।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

सेंट थॉमस कॉलेज में सह-शिक्षण रणनीतियों पर राष्ट्रीय वेबिनार

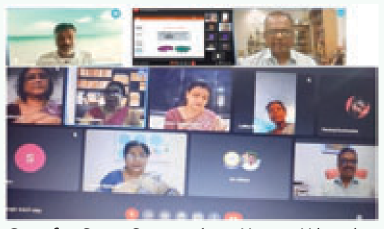

भिलाई। शिक्षा विभाग, सेंट थॉमस कॉलेज ने 4 जून 2022 को सहयोग और सह-शिक्षण रणनीतियों पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। सेंट थॉमस कॉलेज, भिलाई के प्रिंसिपल ने मेहमानों और कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। श्रीमती दीप्ति संतोष ने अध्यक्ष डॉ. किरण मिश्रा का संक्षिप्त परिचय दिया। डॉ. किरण मिश्रा ने सहयोग और सह-शिक्षण रणनीतियों के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्राचार्य, सेंट एलॉयसियस ऑटोनोमस कॉलेज, जबलपुर, रेव डॉ. जी. वजान अरासु ने अपने भाषण में सहयोगी और सह-शिक्षण रणनीतियों के लाभ पर प्रकाश डाला क्योंकि सभी शिक्षकों में अपने-अपने गुण हैं। माजू जॉय, सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, धन्यवाद प्रस्ताव। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योत्सना गडपयेले ने किया। राष्ट्रीय वेबिनार की संयोजक श्रीमती दीप्ति संतोष और डॉ. शबनम खान, जे. माजू डॉ. ज्योत्सना गडपयेले, डॉ. रोशन लाल सोंढिया, डॉ. सुषमा पिल्लई और सुश्री सीमा पोटफोडे थे। शिक्षा विभाग की प्रमुख डॉ. शीजा थॉमस ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन में अपना बहुमूल्य सहयोग दिया।

विश्व साइकिल दिवस के पर साइकिल से पूरे क्षेत्रों का किया आयुक्त सर्वे ने निरीक्षण

भिलाई निगम के हस्तक्षेप के बाद बीएसपी ने बेक लाइन की सफाई की प्रारंभ, जलकुंभी हटाने काम भी किया शुरू, परंतु शुद्ध पेयजल प्रदाय करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त प्रकाश सर्वे विश्व साइकिल दिवस के दिन साइकिल पर बीएसपी क्षेत्र के निरीक्षण में निकले। यह पहली दफा नहीं है कि आयुक्त साइकिल से निकले थे वह समय-समय पर मॉर्निंग विजिट में निरीक्षण के दौरान साइकल से सकरी गलियों एवं तंग क्षेत्रों का दौरा करते आ रहे हैं। उन्होंने साइकिलिंग को फिजिकल एक्सरसाइज का अच्छा माध्यम बताया।

आयुक्त, बीएसपी के सर्वप्रथम सेक्टर 8 तथा सेक्टर 9 के कई घरों में पहुंचे उन्होंने स्थानीय रहवासियों से शुद्ध पेयजल प्रदाय होने को लेकर फीड बैक लिया। रहवासियों ने बताया कि पानी अभी भी शुरुआती दौर में गंदा आ रहा है, निगमायुक्त ने कई जगहों से पानी का सैंपल कलेक्शन करवाया और जांच के लिए लैब भेजने के निर्देश दिए। शुद्ध पेयजल को लेकर बीएसपी प्रबंधन ने अभी तक कोई ठोस कदम अख्तियार नहीं किया है। हालांकि निगम के हस्तक्षेप के बाद नाला सफाई एवं बैक लाइन की सफाई बीएसपी ने प्रारंभ किया है। आयुक्त प्रकाश सर्वे ने बीएसपी क्षेत्र के सेक्टर 6 इस्पात क्लब के बाजू वाले नाले का निरीक्षण किया, स्लो प्रोग्रेस के चलते उन्होंने वहीं दूरभाष के माध्यम से बीएसपी के अधिकारियों को कार्य में गतिशीलता लाने और चैन माउंटेन बढ़ाकर नाले की अति शीघ्र सफाई करने कहा। उल्लेखनीय है कि बीएसपी क्षेत्र से जलकुंभी नाला के माध्यम से जाकर माइलस्टोन के समीप वाले नाले में फस जाता है जिसके कारण बरसात में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। आयुक्त ने सेक्टर 4 में पहुंचकर बैक लाइन की सफाई भी देखी यहां पर सफाई कार्य किया जा रहा था स्थानीय पार्षद की उपस्थिति में उन्होंने सफाई कार्य का अवलोकन किया। पार्षद ने बताया कि बीएसपी द्वारा बैक लाइन की सफाई ठीक से नहीं की जा रही है, सिर्फ बैक लाइन में घास की कटाई की जा रही है, जबकि रहवासियों द्वारा बैक लाइन की ओर फेंके गए कचरे, कूड़े को हटाने का कार्य किया जाना चाहिए। आसपास के निवासियों ने बताया कि कूड़ा एवं कचरा इतना ढेर हो गया है कि वह घरों के निचले तल से ऊंचा हो गया है, जिसके कारण बरसात के दिनों में बीएसपी के क्वार्टरों में पानी घुसने की समस्या हो सकती है। बैक लाइन की सफाई के लिए मिट्टी की थोड़ी सी खुदाई कर कचरे की पूरी तरह सफाई किया जाना आवश्यक बताया। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त एन आर रत्नेश, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीके सैमुअल एवं चंदन शर्मा आदि उपस्थित थे।

साई कॉलेज एवं दिग्विजय कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रतियोगिता आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। साई कॉलेज सेक्टर 6 भिलाई एवं शासकीय दिग्विजय ऑटोनॉमस कॉलेज राजनांदगांव द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में संयुक्त तत्वाधान में एक्सटेंपोर कंपटीशन का आयोजन किया गया जिसमें पर्यावरण से संबंधित कुछ विषयों पर तात्कालिक भाषण विद्यार्थियों को देना था । साई कॉलेज एवं दिग्विजय कॉलेज के विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया । यह कार्यक्रम साई महाविद्यालय के श्वष्ष्य ष्ट्यह्वड्ड द्वारा हाइब्रिड मोड में आयोजीत किया गया था । शासकीय दिग्विजय कॉलेज के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व को बताते हुए पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूक होने की बात कहीं एवं साई कॉलेज के प्राचार्य डॉ डी बी तिवारी ने पर्यावरण के प्रति अपने कर्तव्य को बताते हुए पौधरोपण के लिए सभी को प्रोत्साहित किया ।

कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण साई महाविद्यालय की डिप्टी डायरेक्टर डॉ ममता सिंह के द्वारा किया गया । उन्होंने दैनिक जीवन में किस प्रकार बिजली , पानी एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों का हम संरक्षण कर सकते हैं इस बात पर जोर दिया । कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती शशि साहू के द्वारा किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में साई कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ सोनल खंडेलवाल, डॉ प्रतिभा गुमास्ता , श्री सुशील दुबे एवं श्री धीरेंद्र पराते का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

आयुक्त ने लिया साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा, लोगों से फीडबैक लिया कहा झाड़ू और नाली सफाई हो रही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम वार्ड की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेने आयुक्त हरेश मंडावी आकस्मिक रूप से वार्ड 14 एवं 15 में सुबह 6:30 बजे स्वास्थ्य अधिकारी गिरीश दीवान के साथ पहुंचे। उन्होने वार्ड 14 एवं 15 में पैदल धुमकर नालियों की रोड की एवं सार्वजनिक स्थलो की साफ-सफाई की व्यवस्था को देखा लोगो से फीडबैक लिया कहा झाड़ू और नाली सफाई हो रही एवं वार्डो में स्थित सुलभ शौचालय का निरीक्षण भी किया।

वार्डो में नालियों की साफ-सफाई के साथ-साथ सार्वजनिक स्थल शौचालय की साफ-सफाई भी ठीक पाई गई शौचालय निरीक्षण के दौरान शौचालय के संचालको को बेहतर साफ-सफाई प्रतिदिन करने के निर्देश दिये एवं किसी भी प्रकार की शिकायत शौचालय की साफ-सफाई के संबंध में प्राप्त होने पर शौचालय निरस्तीकरण की कार्यवाही किये जाने कहा गया।

संबंधित वार्ड के स्वच्छता निरीक्षक एवं सफाई दरोगा एवं वार्ड सुपरवाईजर को भी निर्देशित किया गया कि साफ-सफाई ठीक नही पाये जाने पर कार्यवाही प्रस्तावित कि जावेगी। नगर निगम सीमा क्षेत्र में स्वच्छता अभियान जोरो से चल रहा है शहर की सभी बडे नाले एवं वार्डो में स्थित छोटी एवं बडी नालियों की सफाई व्यवस्था पर सतत् निगरानी रखी जा रही है।

शिविर में लोगों को हर बुनियादी सुविधाओं को दी गई प्राथमिकता

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अमलेश्वर में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में सभी विभागों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर लोगों की समस्याओं के शत प्रतिशत निराकरण का प्रयास किया। इस शिविर में कुल 21 विभागों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी जिसमें उन्हें कुल 386 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें 370 आवेदन मांग पर आधारित, 8 आवेदन शिकायत के थे।

जिसमें 12 मांगों का निराकरण त्वरित किया गया इसके अलावा 366 मांगे व 9 शिकायत लंबित हैं। लोग इस शिविर में व्यक्तिगत आवेदनों के साथ-साथ जनहित में आधारित आवेदन भी लगा रहे थे। इसी कड़ी में एक आवेदक ने एटीपी मशीन की मांग नगर पंचायत में की थी ताकि यहां के लोग बिजली बिल का भुगतान सरल एवं सुगम तरीके से कर सकें। कई लोगों ने पानी और बिजली संबंधित बुनियादी समस्याओं के लिए भी आवेदन किए थे, जिसका निराकरण संबंधित विभाग के द्वारा किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे भी उपस्थित थे ,जहां उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को आवेदन प्रेषित किए। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को आवेदनों को गंभीरता से लेने और त्वरित निराकरण करने के लिए कहा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सुपुत्र चैतन्य बघेल, मुख्यमंत्री ओएसडी आशीष वर्मा, एसडीएम विपुल गुप्ता और अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

शिविर में वैक्सीनेशन कैंप का भी आयोजन किया गया था। जिसमें कुल 30 लोगों ने कोविड-19 वैक्सीनेशन कराया। स्वास्थ्य विभाग अपने स्टाल के माध्यम से अन्य बीमारियों के लिए भी दवाइयां एवं परामर्श मुहैया करा रहा था। स्वास्थ्य सेवा के अंतर्गत कुल 175 लोगों ने अपनी जांच करवाई। शिविर में 17 बालिकाओं को मुख्यमंत्री नोनी सुरक्षा योजना के तहत श्रम विभाग के द्वारा 20 हजार रूपए की चेक प्रदान किये गए। कृषि विभाग से 5 कृषक हितग्राहियों को बैटरी चलित स्प्रिंकल भी प्रदान की गई, इसके अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 4 बच्चो का अन्नप्राशन और 6 महिलाओं की गोद भराई व एक हितग्राही को जननी सुरक्षा योजना के तहत 20 हजार का चेक प्रदान किया गया। शिविर में 5 हितग्राहियों को बी पी राशन कार्ड भी दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950